राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

रितेश देशमुख की वेड...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 12 जनवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 23 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

तीन नए सहकारी संघों का होगा निर्माण, सहकारिता से जुड़े किसानों की बढ़ाई जाएगी आय

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सहकारिता को लेकर भी मोदी सरकार में बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि कैबिनेट ने मल्टी–स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज अधिनियम 2002 के तहत एक राष्ट्रीय स्तर की मल्टी–स्टेट कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट सोसाइटी की स्थापना को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि यह सहकारी समितियों के समावेशी विकास मॉडल से सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। इस निर्णय के तहत बहु–राज्य सहकारी निर्यात समिति, बहु–राज्य सहकारी जैविक सोसायटी और बहुराज्य सहकारी बीज समिति की स्थापना की गई है। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यह भी बताया कि यह बीज प्रतिस्थापन दर (त्त) और किस्म प्रतिस्थापन दर को बढ़ावा देगा और उपज अंतराल को कम करने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेगा। सहकारी समितियों के समावेशी विकास मॉडल के माध्यम से षसहकार–से–समृद्धिष के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रुपे डेबिट कार्ड, भीम यूपीआई लेन–देन को बढ़ावा देने के लिये 2,600 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। योजना के तहत, बैंकों को चालू वित्त वर्ष में रुपे और यूपीआई का उपयोग करके 'पॉइंट ऑफ सेल' (पीओएस) यानी दुकानों पर लगी भुगतान मशीन और ई–कॉमर्स लेनदेन को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि इससे मजबूत डिजिटल भुगतान परिवेश तैयार करने में मदद मिलेगी। योजना के तहत कम खर्च वाला और उपयोग के लिहाज से सरल यूपीआई लाइट और यूपीआई 123 पे को भी बढ़ावा दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि कैबिनेट ने कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पेयजल, स्वच्छता और गुणवत्ता केंद्र का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय जल और स्वच्छता संस्थान के रूप में किए जाने को कार्योत्तर स्वीकृति दी।

पश्चिम बंगाल पर भाजपा की नजर

टीएमसी को घेरने के लिए बना रही यह रणनीति

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने अभी से ही रणनीति बनाने की शुरुआत कर दी है। भाजपा की नजर पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्यों पर है। इन राज्यों में भाजपा अभी से ही अपनी तैयारी शुरू कर चुकी है। पिछले लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली भाजपा ने 2024 के लिए भी पूरी ताकत लगा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने बड़े पैमाने पर पश्चिम बंगाल में जनसंपर्क अभियान शुरू करने की योजना बनाई है। इस प्रक्रिया के तहत पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता जनता से मिलेंगे और मोदी सरकार द्वारा किए गए काम का जो पर प्रतिक्रिया मांगेंगे। इसी दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं का भी वह प्रचार करेंगे। साथ ही साथ पश्चिम बंगाल की बिगड़ती कानून व्यवस्था का भी मुद्दा जनता के सामने रखेंगे। इतना ही नहीं, पार्टी की ओर से संगठन को भी मजबूत करने की कोशिश हो रही है। पार्टी मंडल और बूथ स्तर की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रही है। भाजपा अपने जनसंपर्क अभियान को मार्च–अप्रैल में शुरू करेगी। फिलहाल इसको लेकर तैयारी और योजना पर काम किया जा रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया है कि बीजेपी बंगाल फिलहाल संभागीय जिला बूथ स्तर पर सभी कमेटियों के पुनर्गठन पर काम कर रही है। बूथ और मंडल स्तर पर समितियों के चेहरों में भी बदलाव हो रहा। 21 जनवरी को बंगाल राज्य कार्यकारिणी की बैठक है। इसमें पार्टी आगे की योजनाओं पर चर्चा करेगी और उन को अंतिम रूप भी दिया जाएगा। फिलहाल संगठन में गैप को भरने की कवायद जारी है। पश्चिम बंगाल को ध्यान में रखते हुए कई केंद्रीय मंत्रियों को भी काम पर लगा दिया गया है। इनमें धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी, पंकज चौधरी और साध्वी निरंजन ज्योति शामिल है। इन सभी को कुछ लोकसभा सीटें आवंटित की गई है जहां यह जाते रहेंगे और बैठक भी करते रहेंगे। जमीनी स्तर पर पार्टी के हिसाब से यह जानकारी एकत्रित करेंगे बताया जा रहा है कि दौरे का पहला चरण पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में लोकसभा चुनाव को लेकर कई बड़े फैसले भी हो सकते हैं। इतना ही नहीं, खबर यह भी है कि जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल का दौरा कर सकते हैं।

भाजपा और आरएसएस के लोग देश को बांट रहे हैं

राहुल ने बताया, कांग्रेस ने क्यों शुरू की भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा फिलहाल पंजाब में राहुल गांधी ने आज पंजाब में इस यात्रा की शुरुआत की है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने जबरदस्त तरीके से भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया है कि आखिर भारत जोड़ो यात्रा को कांग्रेस की ओर से क्यों शुरू किया गया है? पंजाब के सरहिंद में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश का माहौल खराब किया जा रहा है। भाजपा और आरएसएस लोगों को बांट रही है, एक धर्म को दूसरे धर्म के खिलाफ भड़का रही है, एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ खड़ा कर रही है, भाषा–भाषा के बीच दरार पैदा कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने सोचा है कि देश को प्यार, एकता और भाईचारे का एक अलग रास्ता दिखाया जाना चाहिए और इसलिए हमने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की है। आपको बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर से तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। यह केरल कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के रास्ते पंजाब पहुंच चुकी है। अपनो संबोधन के जरिए राहुल ने किसानों को भी साधने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि लोगों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता हजारों किलोमीटर पैदल चल रहे हैं। लेकिन मैं तो कहता हूं कि देश का हर किसान रोज पैदल चलता है, किसान हमसे ज्यादा पैदल चलता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बीजेपी के लोग डर, नफरत, हिंसा फैला रहे हैं। ये इस देश का तरीका नहीं है, इस देश का इतिहास नहीं है। हमारा देश भाईचारे, प्रेम, सद्भाव, इज्जत का देश है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' को जबरदस्त जन समर्थन और प्रतिक्रिया मिली है और यह एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने के साथ और भी बेहतर हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा के दौरान उन्होंने किसानों, छोटे दुकानदारों, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं से बात करके बहुत कुछ सीखा। 'भारत जोड़ो यात्रा' इस चरण में राहुल गांधी के साथ कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, कांग्रेस की हरियाणा इकाई के प्रमुख भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सहित कई अन्य नेता शामिल हुए। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पंजाब में 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने से पहले बुधवार को सुबह गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब में मत्था टेका। इस दौरान राहुल गांधी पगड़ी और आधी बाजू की टी–शर्ट पहने नजर आए। यात्रा के पंजाब–चरण के कार्यक्रम के अनुसार, यह फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद से शुरू होकर मंडी गोबिंदगढ़, खन्ना, साहनेवाल, लुधियाना, गोराया, फगवाड़ा, जालंधर, दसुआ और मुकेरियां से होते हुए आगे बढ़ेगी।

बीजेपी का आरोप, आप कट्टर बेईमान पार्टी, वसूली करना और कमीशन लेना इनका काम

नई दिल्ली। दिल्ली में राजनीतिक बार पलटवार का दौर लगातार जारी है। एक बार फिर से भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि आम आदमी पार्टी कट्टर बेईमान पार्टी है। कमीशन लेना और वसूली करना इनका काम है। भाजपा की ओर से गौरव भाटिया ने आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार पर भी निशाना साधा। भाटिया ने कहा कि जनता समझ चुकी है कि श्आम आदमी पार्टीश कट्टर बेईमान पार्टी है। वसूली करना और कमीशन लेना इनका काम है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अरविंद केजरीवाल को कठपुतली बनाकर शराब के ठेकेदार ।।च की सरकार चला रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि जनता की सेवा करने वालों को वेतन देने के लिए अरविंद केजरीवाल के पास रुपया नहीं है, लेकिन कोई शराब ठेकेदार अरविंद केजरीवाल की तिजोरी भरे तो उसको बचाने के लिए केजरीवाल के पास रुपया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले 12 कॉलेजों के शिक्षकों को वेतन नहीं मिल रहा है, लेकिन आबकारी घोटाला करने वाले श्आपश नेताओं को बचाने के लिए 25 करोड़ रुपए केजरीवाल सरकारी कोष से दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार 25 करोड़ लीगल फीस के तौर पर दे रही है। अरविंद केजरीवाल को जनता का रुपया उड़ाने की बड़ी आदत है। गौरव भाटिया ने साफ तौर पर कहा कि अपनी महिमामंडन कराने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार पैसों का दुरुपयोग करते हैं। करोड़ों करोड़ों रुपए विज्ञापन पर खर्च होते हैं। उन्होंने साफ तौर पर सवाल किया कि सरकार भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए रुपया क्यों खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि जो जनता की सेवा करते हैं जैसे कि टीचर, डॉक्टर और मार्शल, उसको वेतन देने के लिए अरविंद केजरीवाल की सरकार के पास पैसे नहीं है। लेकिन भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए पैसे हैं।

जिस देश की पीढ़ी को अपनी विरासत पर गर्व नहीं होता, वो कभी देश को महान नहीं बना सकती, अमित शाह का बयान

नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में श्क्रांतिकारियों (भारत ने अपनी स्वतंत्रता कैसे जीती, इसकी दूसरी कहानी) नामक पुस्तक का विमोचन किया। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि जिस देश की पीढ़ी को अपनी विरासत पर गर्व नहीं होता है, वो कभी देश को महान नहीं बना सकती। उन्होंने कहा कि गुलामी के काल में प्रस्थापित, परंपरा, मान्यता और सोच को लेकर जो चलते हैं वो राजनीतिक गुलामी से मुक्त हो सकते हैं मगर देश की सोच को गुलामी से मुक्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी (भारत ने अपनी स्वतंत्रता कैसे प्राप्त की दूसरी कहानी) नाम ही पुस्तक का सारांश है। उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों, इतिहास के साथ–साथ अन्य माध्यमों से केवल एक ही दृष्टिकोण का प्रसार किया गया है। शाह ने कहा कि औपनिवेशिक अतीत के किसी भी अवशेष से छुटकारा पाने के पीएम के इरादे के अनुरूप, सबसे महत्वपूर्ण इतिहास को इससे मुक्त करना है। वीर सावरकर ने पहली बार 1857 के विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहकर इसकी कोशिश की। उन्होंने कहा कि इतिहास कई सारी मान्यताओं को जन्म देता है। परंतु इतिहास हार और जीत के आधार पर नहीं लिखा जा सकता।

पीएम ने 'आरआरआर' की टीम को ग्लोडन ग्लोब्स पुरस्कार जीतने पर दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिल्म 'आरआरआर' के गीत 'नाटु नाटु' के गोल्डन ग्लोब्स पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ गीत का पुरस्कार जीतने पर फिल्म से जुड़े तमाम कलाकारों को बुधवार को बधाई दी और कहा कि इस प्रतिष्ठित सम्मान ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''यह एक बहुत ही विशेष उपलब्धि है। एम. एम. कीरावानी, प्रेम रक्षित, काल भैरव, चंद्र बोस, राहुल सिप्लिगुंज को बधाइयां। मैं एस. एस. राजामौली, जूनियर एनटीआर, राम चरण और आरआरआर की पूरी टीम को भी बधाइयां देता हूं। इस प्रतिष्ठित सम्मान ने हर भारतीय को बहुत गौरवान्वित किया है।'' निर्देशक एस. एस. राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' ने 2023 गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में अपने लोकप्रिय गीत 'नाटु नाटु' के लिए सर्वश्रेष्ठ 'ओरिजिनल सॉन्ग–मोशन पिक्चर' श्रेणी का पुरस्कार अपने नाम कर लिया। इस श्रेणी में 'नाटु नाटु' ने टेलर स्विफ्ट के गीत 'कैरोलिना', ग्रेगोरी मान के 'चाओ पापा', लेडी गागा के 'होल्ड माय हैंड', फिल्म 'ब्लैक पैंथररूवकांडा फॉरएवर' के गीत 'लिफ्ट मी अप' को मात दी।

Varanasi-Dibrugarh cruise हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह 13 जनवरी को गंगा नदी में जिस क्रूज को हरी झंडी दिखाकर 51 दिनों की यात्रा पर रवाना करेंगे, वह देश की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और उसकी विविधता के खूबसूरत पहलुओं की खोज करने का एक अनूठा अवसर है। मोदी दुनिया के सबसे बड़े 'रिवर क्रूज' को लेकर केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। सोनोवाल ने अपने ट्वीट में कहा था, ''दुनिया की कुछ सबसे महान नदियों पर भारत की प्राचीन विरासत की यात्रा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी 13 जनवरी को विश्व के सबसे लंबे 'रिवर क्रूज' गंगा विलास को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

Parliament, विधानसभाओं में अशोभनीय घटनाओं का निदान खोजा जाए: धनखड़

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संसद एवं विधानसभाओं में अशोभनीय घटनाओं पर क्षोभ व्यक्त करते हुए इसका समाधान खोजने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान और कानून की शपथ लेने वाले जनप्रतिनिधियों का विधायिका में नियमों और अनुशासन का उल्लंघन करना समझ से परे है। धनखड़ ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा में 'अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। संसद एवं विधानसभाओं में अशोभनीय घटनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र के इन मंदिरों की विषम दशा से हम सब भली भांति परिचित हैं। समय आ गया है कि इस निराशाजनक स्थिति का उचित समाधान निकाला जाये। संसद और विधानसभाओं में अशोभनीय घटनाओं और व्यवहार पर जनता में व्याप्त रोष का निदान खोजा जाये।'' उन्होंने कहा, ''यह समझ से परे है कैसे सांसद, विधायक, विधान पार्षद (एमएलसी) जो संविधान और कानून की शपथ लेते हैं, विधायिका में नियमों और अनुशासन का उल्लंघन करते हैं। ऐसी स्थिति पर नियंत्रण करने, उस पर अंकुश लगाने में आपकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है इस विषय पर पूरा ध्यान दिया जाएगा।'' धनखड़ ने कहा, ''क्या व्यवधानों और नियमों के उल्लंघन को एक राजनीतिक रणनीति बनने दिया जा सकता है? कदापि नहीं।'' उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान सभा हमारे सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा, ''संविधान सभा में विमर्श में सौहार्द, में शिष्टता और विचारों में निष्ठा थी। वो लोग विद्वान थे, बड़े उद्देश्य के प्रति समर्पित थे। उनके सामने एक लक्ष्य था, तत्कालीन विषम स्थितियों के प्रति सजग थे और उन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक थे।'' उन्होंने सवाल उठाया, ''संसद और विधायिका में आज अनुभव, योग्यता और प्रतिभा भरपूर है। जरा सोचिए, आज वो पुराने मूल्य और आदर्श क्यों और कहां खो गए हैं।'' लोकतांत्रिक विस्तार का प्रतीक भी है। हमें विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव हासिल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में मंथन और विचार विमर्शों से अमृत निकलेगा जो अवश्य ही हमारे देश और संसदीय व्यवस्था को अमृतकाल में नयी ऊर्जा देगा।'' राजस्थान विधानसभा में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी भी मौजूद थे।

एडीएम की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित

अधिकारीगण विभागीय योजनाओं कार्यो के संचालन में गुणवत्ता प्रगति की करते रहें सघन मॉनीटरिंग–एडीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनपद के विकास एवं लाभार्थीपरक योजनाओं सहित कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, उद्योग विभाग, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, लोक निर्माण आदि विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओंध्निर्माण कार्यों में प्रगति की स्थिति एवं अन्य सम्बंधित विभागों द्वारा कराये जा रहें कार्यो में लक्ष्य के सापेक्ष आंकड़ेवार प्रगति से सम्बंधित समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई।अपर जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक के दौरान सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उनके विभाग से सम्बंधित लाभार्थीपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं, निर्माण कार्यो के क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं आच्छादनध्प्रगति की समीक्षा स्वयं सम्बंधित क्षेत्रोंध्गॉवों में भ्रमण कर करना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अनिरूद्ध कुमार सिंह के साथ जनपद के जिला चिकित्सालय सहित सीएचसीध्पीएचसी में चिकित्सकों एवं दवाओं की उपलब्धता, आशाओं का भुगतान, टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड, परिवार नियोजन, सीएचसीध पीएचसी केन्द्रों के निर्माण कार्य में प्रगति की गहन समीक्षा किया। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को निर्देशित किया कि पंचायत भवन निर्माण कार्य में कहीं पर यदि किसी भी प्रकार का विवाद अथवा समस्या की स्थिति बन रही है तो सम्बन्धित विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर उसका निस्तारण करवाकर निर्माणकार्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों को नियमानुसार क्रियाशील रखा जाए। अपर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी सहित सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन बन गये हैं उन्हें ग्राम सचिवालय के रूप में संचालित कराने सम्बंधित कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत सचिवालय के रूप में क्रियाशील किया जाए। समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थीपरक योजनाओं में योजना के सापेक्ष आधार सीडिंग का कार्य अभियान चलाकर शतप्रतिशत पूर्ण कर लिया जाये। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा विभागवार समीक्षा करते हुए कृषि, सिचाई, किसान सम्मान निधि, जिला पूर्ति, मत्स्य पालन, उद्यान विभाग, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, छात्रवृत्ति वितरण, कन्या सुमंगला, खाद्य सुरक्षा, कायाकल्प योजना, प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सड़क योजना, पेयजल, कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य, व्यवसायिक शिक्षा, निराश्ररित गोबंशों का संरक्षण, चारा, भूसा की उपलब्धता एवं ठण्ड से बचाव की व्यवस्था आदि सहित कार्यो की गहन समीक्षा की गयी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिरूद्ध कुमार सिंह, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारीध जिला विकास अधिकारी सुदामा प्रसाद, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नागेन्द्र सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 मोहन झा, मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ0 ओ0पी0 चतुर्वेदी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 संजय यादव, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, उप कृषि निदेशक लोकेन्द्र सिंह, जिला बेकिस शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी, जिला कृषि अधिकारी पी0सी0 विश्वकर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी महेन्द्र कुमार, जिला आबकारी अधिकारी आर.पी. तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ0 श्वेता त्रिपाठी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका यादव, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव शुक्ल, खण्ड विकास अधिकारी एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

कानून को धत्ता बताते हुए नाबालिक लड़की को लेकर फरार

बलरामपुर। जनपद मुख्यालय के कोतवाली बलरामपुर देहात अंतर्गत ग्राम नैनपुर सोनपुर की एक नाबालिक लड़की को उसके ही एक रिश्तेदार द्वारा भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है बताते चलें कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जहां एक तरफ अपराधीों को काबू में करने के लिए रोज एक न एक तरीके इजाद करती है जिसमें बुलडोजर से लेकर अपराधियों को सीधे इनकाउंटर करने कि बात की जाती है तो वही दूसरी तरफ अपराधी है जो कुछ भी मानने को तैयार नहीं है इसी क्रम में जब लड़की के परिवार वालों ने लड़के के परिवार से बातचीत करने का प्रयास किया तो लड़की वापस भेजने के वाजय लड़की के मां बाप को निपट लेने की धमकी देते हुए भगा दिया जिसकी शिकायत पीड़िता के परिजनों ने कोतवाली बलरामपुर देहात में दे दिया है जिसमें पुलिस ने लड़की वापस लाने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

जिलाधिकारीने चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए उड़न दस्ता टीम का किया गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारीध्सहायक रिटर्निंग ऑफिसर गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र बलरामपुर डॉ0 महेन्द्र कुमार द्वारा गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन–2023 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए उड़न दस्ता टीम का गठन किया गया है।कार्यक्षेत्र तुलसीपुर के लिए उड़न दस्ता टीम में राजीव कुमार वर्मा नायब तहसीलदार तुलसीपुर कार्यकारी मजिस्ट्रेट व प्रमोद कुमार निरीक्षक को0 तुलसीपुर पुलिस, कार्य क्षेत्र तहसील उतरौला के लिए योगेन्द्र प्रताप सिंह नायब तहसीलदार उतरौला कार्यकारी मजिस्ट्रेट व संजय दूबे निरीक्षक को0 उतरौला पुलिस, कार्य क्षेत्र तहसील बलरामपुर डा0 अनुपम शुक्ला नायब तहसीलदार, बलरामपुर कार्यकारी मजिस्ट्रेट व विमलेश सिंह निरीक्षक, को0न0, बलरामपुर पुलिस के रूप में ड्यूटी लगायी गयी है।गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन–2023 परिप्रेक्ष्य में उड़न दस्ता टीम द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले राजनैतिक दलों की बैठकों एवं राजनैतिक पदाधिकारियों के कार्यक्रमों को कवर किया जायेगा तथा भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

दिव्यांगजन बालक/बालिकाओं का कराएं पंजीकरण–जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष द्विवेदी द्वारा बताया गया कि जनपद बलरामपुर में 03 से 07 आयु वर्ग के विशेष श्रेणी के बालकध्बालिकाओं को प्री–प्राइमरी स्तर पर शिक्षितध्प्रशिक्षित किये जाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा संचालित बचपन डे केयर सेन्टर की स्थापना व संचालन किया जाना है। इस आयु वर्ग के विशेष श्रेणी के बालकध्बालिकाओं जैसे– जो शारीरिक, मानसिक, बोलने–सुनने एवं देखने में अक्षम है। ऐसे दिव्यांग बालकध्बालिकाओं का पंजीकरण जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कार्यालय विकास भवन, कक्ष सं0–05 में किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक दिनांक 16 जनवरी, 2023 तक कराएं जिसमें जनपद में 03 से 07 आयु वर्ग के विशेष श्रेणी के बालकध्बालिकाओं का बचपन डे केयर सेन्टर में शिक्षणध्प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

चीनी मिल तुलसीपुर में आयोजित हुआ सड़क सुरक्षा कैंप,यातायात के नियमों के बारे में दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर,बलरामपुर। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाए जाने के लिए सड़क सुरक्षा माह के तहत चीनी मिल तुलसीपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया जिसमें सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अरविंद कुमार यादव द्वारा लोगों को यातायात नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया एवं यातायात नियमों के पालन की अपील की गई। इस दौरान आमजनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए यातायात नियमों संबंधी हैंडबिल, पंपलेट आदि का वितरण किया गया तथा लोगों से यातायात नियमों के पालन की अपील की गई। लोगों को वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ना करने की सलाह दी गई तथा हेलमेट,सीटबेल्ट का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कोहरे के समय अपने वाहन में रिफ्लेक्टर लगाने एवं उल्टी दिशा वाहन का संचालन न करने की अपील की गई।सड़क सुरक्षा माह के तहत सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय परिसर में वीडियो क्लिप एवं पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम के माध्यम से यातायात नियमों संबंधी निरंतर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

नगर पंचायत पचपेड़वा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये अभ्यर्थी करें आवेदनः अपर जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अपर जिलाधिकारी प्रदीप कुमार द्वारा जानकारी दी गयी कि जनपद बलरामपुर के नगर पंचायत पचपेड़वा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत संचालित उचित दर की दुकान वार्ड न0–09 मोहल्ला मुनीर महतो हेतु अनुसूचित जाति वर्ग में तथा वार्ड सं0–06 मोहल्ला मारवाड़ी हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र एवं अर्हताओं का विवरण दिनांक 12.01.2023 के पूर्वाह्न 10:00 बजे से दिनांक 25.01.2023 की सायं 05:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला पूर्ति अधिकारी, बलरामपुर के लिपिक मोहम्मद असद खान, मोबाइल नम्बर–9473703409 से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र समस्त निर्धारित प्रविष्टियों को पूर्ण कर, संलग्नको सहित दिनांक 27.01.ध्2023 की सायं 05:00 बजे तक व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से कार्यालय जिला पूर्ति अधिकारी भगवतीगंज बलरामपुर को भेज सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्वार्टर फाइनल मैच में बर्डपुर की टीम ने सड्डा की टीम को 61 रनों से दी मात

खण्ड विकास अधिकारी सुरेश कुमार ने क्वार्टर फाइनल मैच का शुभारंभ किया।

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर। जूनियर हाईस्कूल के खेल मैदान पर बुधवार को भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी कैनवस वॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मैच पहली पारी में वर्मा क्रिकेट क्लब बर्डपुर व शाहिद क्रिकेट क्लब सड्डा के बीच खेला गया। इस मुकाबले में बर्डपुर टीम ने सड्डा से 61 रनों से हराया।जिसमें बर्डपुर टास जीतकर बर्डपुर ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करके हुए बर्डपुर के खिलाड़ियों ने बैटिंग करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 136 रन बनाए। पहले ओपनर बल्लेबाज रिजवान ने 36 गेंद खेलकर 8 छक्के के साथ 70 रन बनाकर बोल्ड आउट, अमजद ने 6 गेंदों पर 7रन,राज 6 गेंदो पर 9 रन, सचिन ने 7 गेंदों पर 10रन, मोहित ने गेंदों पर 20 रन, पोलार्ड 4 गेंदों 7 रन बनाया। सड्डा के गेंदबाज गोलू और दिनेश ने तीन तीन विकेट लिए। जबाब में उतरी शमसाद इलेवन की टीम के खिलाड़ी मात्र 75 रनों पर ही सिमट गई। सड्डा टीम के खिलाड़ी समसुद्दीन ने 6 गेंद पर 5 रन, एजाज ने 14 गेंद पर 10 रन, इमरान ने 15 गेंद पर 15 रन, गोलू ने 13 गेंदों पर 16 रन बनाया। बर्डपुर के गेंदबाज सचिन और इस्तेफाक ने तीन तीन विकेट व डिंडा ने 2 विकेट लिया। वर्मा के खिलाड़ियों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 136 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जिसके जवाब में सड्डा की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 75 रनों पर ढेर हो गई। मैच में सर्वाधिक 70 रन बनाने वाले रिजवान को मैन आफ द मैच चुना गया। इस दौरान खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी बर्डपुर सुरेश कुमार ने कहा कि खेल के ऐसे प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वालो को उत्साहित करने के लिए ऐसे खेल होने चाहिए। जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेल के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता रहे। उन्होंने उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को और मेहनत करके आगे जीत के लिए तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा की इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से स्थानीय प्रतिभा को आगे बढ़ने का मौका मिलता हैं। जो प्रदेश और देश में अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।इस दौरान नितेश पांडेय, अमित उपाध्याय, राजेन्द्र विश्वकर्मा,विनय वर्मा, विवेक गोस्वामी, संतोष उपाध्याय, सोनू गोस्वामी, शिवकुमार यादव, जाकिर हुसैन, अमरजीत, देवकुमार, मंटू यादव, नौशाद अहमद, अरुण जयसवाल , सुनील कुमार सहित हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

कन्या ही हमारा कल हैः अपर जिला जज

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर।जनपद न्यायाधीश देवेंद्र सिंह के निर्देशन में अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास गोस्वामी की अध्यक्षता में ब्लूमिंग बड्स एकेडमी में बालिकाओं के जन्म और शिक्षा के अधिकारों के संबंध में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विकास गोस्वामी ने विधिकारी देते हुए बताया कि दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान्प्रवर्धयन्। यत्फलं लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकयाध अर्थात अकेली कन्या ही 10 पुत्रों के समान है, 10 पुत्रों के लालन–पालन से जो फल प्राप्त होता है वह अकेले कन्या के पोषण से ही प्राप्त हो जाता है।अपर जिला जज ने कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ अधिकार, शिक्षा का अधिकार, अपमानजनक परिवार के सदस्यों के खिलाफ अधिकार, स्त्रीधन का अधिकार, संपत्ति का अधिकार, बाल विवाह के विरुद्ध अधिकार, यौन उत्पीड़न के खिलाफ, अधिकार कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ अधिकार, गर्भपात का अधिकार समेत कई विषयों पर विधिक जानकारी दी। उन्होंने ने बताया कि देश के कई हिस्सों में अभी भी लड़की के जन्म का स्वागत नहीं किया जाता है कहा जाता है कि भारत में गर्व से लेकर कब्र तक की लड़की के साथ भेदभाव किया जाता है संभावना है कि उसके लिंग के कारण जब उसके स्वास्थ्य, कल्याण, शिक्षा, अवसरों की बात आती है तो उसे उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया की कोई भीं कन्या यदि किसी प्रकार के विधिक सहायता चाहती हैं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संत कबीर नगर में अपनी समस्या से अवगत करा सकती हैं जिसकी पूर्ण समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर तहसीलदार शेख आलमगीर, प्रिंसिपल शैलेश त्रिपाठी समेत अन्य शिक्षक, शिक्षिकाएं तथा बालिकाएं आदि उपस्थित रही

तीसरे दिन भी धरने पर बैठे प्रधानों की किसी ने नही ली सुधः जफर आलम

■ प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि मागे पूरी न होने तक जारी रहेगा धरना।

■ सरकार की ऑनलाइन मोबाइल मॉनिटरिंग व्यवस्था का कर रहे विरोध, कहा नेटवर्क इसु के चलते आ रही है दिक्कते

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर।ब्लाक परिसर शोहरतगढ़ मे प्रधान संगठन के बैनर तले प्रधानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर तीसरे दिन यानी बुद्धवार को भी अनिश्चितकालीन धरना व हड़ताल जारी रहा। प्रधान संगठन ब्लाक अध्यक्ष शोहरतगढ़ जफर आलम के नेतृत्व में चल रहे हड़ताल व धरने में संगठन के पदाधिकारियों की भारी संख्या में ग्राम प्रधान शामिल हुए धरना प्रदर्शन में पदाधिकारियों ने सरकार पर शोषण का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की साथ ही मांगे पूरी होने तक धरना व हड़ताल जारी रखने का दावा किया है। विदित हो कि खण्ड विकास अधिकारी संगीता यादव ने धरनारत ग्राम पंचायत के प्रधानों से समस्या सम्बंधित बातचीत की थी और ज्ञापन लेते हुए 14 सूत्रीय मांगों को लेकर उच्चाधिकारियों के सामने प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया भी था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लाक अध्यक्ष शोहरतगढ़ जफर आलम ने कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में ग्राम प्रधानों की भूमिका काफी अहम है । ऐसे में सरकार गैर जरूरी नियमों को लागू कर ग्राम प्रधानों को परेशान करने का काम कर रहा है । अगर ऐसे ही रवैया रहा तो आगामी चुनावों में इस परिणाम भुगतना पड़ेगा। इस दौरान ब्लाक उपाध्यक्ष शोहरतगढ़ पंकज चौबे ने कहा कि ग्राम प्रधान अपने अधिकारों व सुरक्षा को लेकर समय समय पर आवाज उठाते चले आ रहे है । वहीं अधिकार बढ़ायें जाने के बजाए सरकार लगातार कम करती जा रही है । जबकि गांव के विकास में प्रधानों की भूमिका अहम है । गांव के विकास से ही देश का विकास संभव है।पिन्टू पटेल ने कहा कि हमारे साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने वाले रोजगार सेवक, पंचायत सहायक आदि सरकार की नीतियों से डरते हैं। कार्यक्रम मे जफर आलम, पंकज चौबे, अजीज अहमद, सुनील सिंह, अजय कुमार चौधरी, विक्रम यादव आदि ग्राम प्रधानों ने भी संबोधित किया।इस दौरान जफर आलम, पंकज चौबे, विन्ध्याचल गिरी, गंगाधर मिश्र, करम हुसेन, सुभाष यादव, सद्दाम हुसेन, राजेन्द्र, अनिल पाण्डेय, पिन्टू पटेल, मोहम्मद आसिम उर्फ नैयर, शिवलाल, रामदास, नन्हे, शिवशंकर चौधरी, अजय चौधरी, अवनेंद्र चौधरी, रामप्रसाद, संजय कुमार, ओमप्रकाश यादव, पप्पू गुप्ता, शौकी लाल, राजनेत्र उर्फ छोटू चौरसिया, यार मोहम्मद, गिरजेश चौधरी, विनोद शर्मा, विक्रम यादव, इबरार अली, जावेद आलम, रामधारी त्यागी आदि मौजूद रहे।

तन समर्पित मन समर्पित, राष्ट्र के लिये जीवन समर्पित : श्रीप्रकाश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। स्वामी विवेकानंद की जयंती के पूर्व बुधवार को लोहिया कला भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से बुधवार को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता के एक साधारण परिवार में हुआ था। जब वो 20 साल के थे, तब उनके पिता विश्वनाथ दत्त का निधन हो गया था, पिता के निधन के बाद उनके परिवार को आर्थिक संकटों के साथ–साथ भूखमरी का सामना करना पड़ा था। लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी, इसलिए उनका संघर्ष आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी विचारधारा इतनी महान थी कि उन्होंने इसके दम पर विश्व भर में ख्याति अर्जित की। वर्ष 1893 में स्वामी विवेकानंद को अमेरिका के शिकागो में आयोजित किए गए विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला था और उनके भाषण को सुन लोग तालियां बजाने पर मजबूर हो गए थे। स्वामी विवेकानंद के जयंती पर उनके महान विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. अशोक कुमार झा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद बचपन से ही साहित्य, संगीत, तैराकी, घुड़सवारी और कुश्ती जैसी गतिविधियों में खासा दिलचस्पी रखते थे। हालांकि बाद में उनका ध्यान आध्यात्म की ओर आकर्षित हुआ और इस क्षेत्र में उन्होंने देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपना नाम किया। अपनी तेजस्वी वाणी और अपने व्यक्तित्व के प्रभाव से उन्होंने दुनिया के कई देशों में भारतीय संस्कृति और आध्यात्म की अनोखी छाप छोड़ी। कार्यक्रम संयोजक डा. अनिल कुमार ने भी स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान नगर प्रचारक अभय, अखिलेश नारायण श्रीवास्तव, अशोक त्रिपाठी, माहेश्वर पांडेय, अभय त्रिपाठी, प्रवीण, आशीष सिंह, पवन उपाध्याय, आलोक मिश्रा, संतोष, सौरभ, मनोज कुमार, राजेश आदि मौजूद रहे।

यूनिसेफ और स्वास्थ्य विभाग ने दिया गर्भवती व धात्री महिलाओं को टीकाकरण के विषय में जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर,खूनियाव। ब्लॉक के मैनभरिया गांव में यूनिसेफ

और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विशेष टीकाकरण पखवाड़े के लिए माता बैठक का आयोजन कर गर्भवती व धात्री महिलाओं को टीकाकरण के विषय में जानकारी दी गई एवं उनकी टीकाकरण के प्रति भ्रांतियों का निवारण किया गया साथी प्रतिरोधी परिवारों पर अंतरव्यक्तिक संचार करके उनका टीकाकरण कराया गया, इस अवसर पर यूनिसेफ के डीएमसी अमित शर्मा द्वारा बताया गया कि यदि गर्भवती महिलाएं समय से फोलिक एसिड, आयरन, एवं कैल्शियम की गोली का प्रयोग करती हैं तथा टीकाकरण करवाती है तो उसको उसके होने वाले बच्चे को होने वाले खतरे से बचाया जा सकता है, साथ ही बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के टिको के विषय मे भी विस्तृत जानकारी डीएमसी यूनिसेफ द्वारा प्रदान की गई, इस अवसर पर स्वास्थ्य पर्यवेक्षक एनएन सिंह एनम विभा मिश्रा यूनिसेफ के बीएमसी धीरज श्रीवास्तव एवं आशा पुष्पा, मैना देवी एवं आंगनवाड़ी सायरा बानो उपस्थित रह।

बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला कार्यकारणी सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष आनन्द कुमार सुमन के नेतृत्व में बुद्धवार को प्रदेश के अध्यक्ष दिनेश सिंह विद्रोही के आव्हान पर पूरे उत्तर प्रदेश मे एस.सी.ध्एस.

टी.के शिक्षको पर हो रहे जातीय उत्पीड़न तथा उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदो मे अपने पद का दुरूपयोग करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियो द्वारा संगठन के विरोध मे निकाले गए असंवैधानिक आदेशों के खिलाफ पूरे उत्तर प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं बेशिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)उत्तर प्रदेश शासन को ज्ञापन दिया गया। जनपद सिद्धार्थनगर में जिला अधिकारी कार्यालय पर प्रशासनिक अधिकारी शिवपूजन को संगठन की तरफ से ज्ञापन दिया गया।इस अवसर पर संगठन के महामंत्री जितेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष अमरेश कुमार, मनोज कुमार गौड़, राजेश पासवान, राकेश कुमार, दिवाकर, विनीत राना, रमेश कुमार, अनिल कुमार, विनोद कुमार अरुण कुमार,सुनील कुमार गौतम, राम अवतार सहित एस. सी.एस. टी. के जोगिया, उसकाबाजार, बर्डपुर,बांसी और नौगढ़ ब्लाक के शिक्षक मौजूद रहे।

लखनऊ को लक्ष्मण नगरी के रूप में प्रस्तुत करेगी सरकार: पं० धीरेंद्र वशिष्ठ

दैनिक बुद्ध का संदेश

■ लखनऊ के लक्ष्मण नगरी नाम से प्रसिद्धि दिलाने के लिए जीजान से जुटे लक्ष्मण पीठ सेवा न्यास के संस्थापक पंडित धीरेन्द्र वशिष्ठ

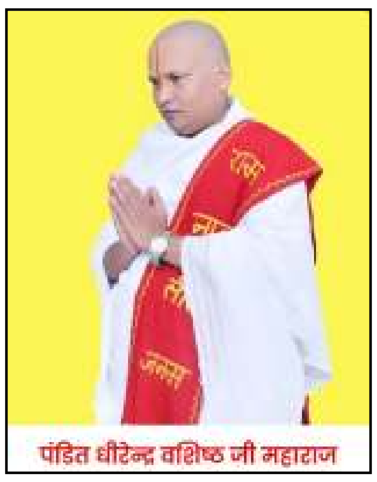

पंडित धीरेन्द्र वशिष्ठ जी महाराज

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ तहसील क्षेत्र के मेढ़वा गांव में जन्मे पले बढ़े श्रीराम कथा के सरस गायक व श्री लक्ष्मण पीठ सेवा न्यास के संस्थापक पंडित धीरेन्द्र वशिष्ठ जी महाराज व आदि शाक्ति मां गंगा जी की महाआरती बानगंगा नदी तट पर 28 माह से आयोजित करते आ रहे हैं, के निरंतर प्रयास से सरकार की दृष्टि लखनऊ महानगर के पुरातन आध्यात्मिक नाम श्री लक्ष्मणपुरी की ओर गया और अब सरकार लखनऊ को लक्ष्मण जी की नगरी के रूप में प्रस्तुत करने जा रही है। पंडित धीरेन्द्र वशिष्ठ जी ने 2017 से लखनऊ को श्री लक्ष्मणपुरी के नाम से जाना जाय इस लिए लखनऊ में श्री लक्ष्मण पीठ सेवा न्यास का गठन कर श्री लक्ष्मण मंदिर निर्माण करा रहें हैं। 2023 जी –20 सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले अतिथियों का होगा स्वागत एयरपोर्ट से निकलते ही होंगे श् लक्ष्मणजी के दर्शन चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से निकलते ही आपको लक्ष्मी की प्रतिमा के दर्शन हो जाएंगे हवाई अड्डे के गेट नंबर एक के धौराहे के पास एक की प्रतिमा लगाई जायेगी। प्रतिमा सी पर फरवरी में होने वाले 20 और इन्वेस्टर्स समिट को लेकर तैयार की जा रही है । ऐसा इसलिए हो रहा है कि देश–विदेश सेआने मेहमानों को लखनऊ के बारे में खास जानकारी हो सके। 12 फीट ऊंची 6 फीट का होगा पैडस्टल 18 फीट होगी कुल ऊंचाई जी –20 सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में लखनऊ शहर को सवारा जाना है । अमौसी हवाई अड्डे के चौराहे के पास लक्ष्मणजी की प्रतिमा लगाई आएगी जिसकी डिजाइन पर चर्चा होगी। लखनऊ में लक्ष्मण जी डिजाइन के खास प्राधिकरण का नाम लिया जाता है ।

चार दिन पूर्व गायब बालक का नही मिल पाया सुराग

क्षेत्र में तरह तरह की चर्चाओं से लोगो में दहशत का माहौल

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा,सिद्धार्थ नगर । इटवा थाना छेत्र के ग्राम कपिया निवासी शनिवार को क्रिकेट खेलने गए लगभग 6 वर्षीय बालक आदर्श पुत्र दिनेश रहस्यमय ढंग से गायब हो गया था । परिजनों व ग्रामीणों ने कुछ देर बाद से ही गायब बालक को खोजना शुरू किया था ,बालक नही मिला तो परिजनों ने इसकी सूचना इटवा थाना पर दिया ।सूचना पाकर हरकत में आई पुलिस टीम ने गांव के चारो तरफ काफी खोजबीन की ।संग्राम पुर चौराहे पर कुछ दुकानों पर लगी सीसीटीवी का फुटेज भी चेक किया लेकिन फिर भी गायब बालक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई ।ग्रामीणों व परिजनों

ने काफी खोजबीन की लेकिन गायब बच्चे का सुराग नहीं लग पाया है। ज्ञात हो कि शनिवार को इटवा थाना छेत्र के ग्राम कपिया निवासी कोटेदार दिनेश (हादी)जो की कोटेदार भी है उनका लगभग 6वर्ष का बेटा शनिवार को गांव के दक्षिण में गांव के कुछ बालको के साथ क्रिकेट खेलने गया था ।बताया जाता है की तभी से वह घर नही लौटा ।देर साय तक घर नही लौटने पर परिजनों ने खोजना शुरू किया ।ग्राम ग्रामीणों को भी जानकारी हुई ,पुलिस को भी अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुए सूचना दी गई तभी से रिश्तेदार व आसपास खोजा गया ,बालक का फोटो सोशल मीडिया पर भी डाला गया लेकिन चौथे दिन भी गायब बालक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई ।इस घटना से जहां परिवार के लोग काफी दुखी है वही छेत्र में भी दहशत का माहौल है । पुलिस भी सक्रियता से मामले की खोजबीन में लगी है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है ।पिछले साल भी इसी परिवार में दिनेश के भाई की एक छोटी बच्ची गायब हुई थी ।हालाकि उस दौरान दूसरे दिन ही उस गायब बच्ची का खून से लथपथ शव गांव के बाहर मिला था ,जिससे लोगो को लगा की किसी जानवर (शियार)आदि के द्वारा बच्ची को उठाकर काट खाया है ।और लोगो ने इसी बात पर संतोष कर लिया था । मामला कुछ भी हो लेकिन इसी परिवार में यह दूसरा घटना को लेकर छेत्र में तरह तरह की चर्चाएं है ।

एस डी एम प्रमोद कुमार ने लिया माघ मेला की तैयारी का जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। बीस जनवरी से शुरु होने वाले माघ मेला की तैयारी का जायजा मंगलवार को एस डी एम प्रमोद कुमार ने किया।माघ मेला

मैदान मे पहुच कर उन्होनें सफाई कार्य का निरिक्षण कर सामुदायिक शौचालय की सफाई का निर्देश दिया।मेले मे पुलिस कैम्प,प्रशासनिक कैम्प,वाच टावर,खोया पाया केंद्र बनाए जाने तथा सी सी टीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया।उन्होनें कहा कि मेले मे आने दुकानदार ,शो मैन व मेला देखने वालो को किसी तरह की दुश्वारी न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाय। उन्होंने मेले की भव्यता को बनाए रखने तथा इसके विकास के लिये जो आवश्यक हो वह कार्य किया जाय।अन्त मे नपा कार्यालय मे उन्होने झूला मालिकों व शो मैन के साथ बैठक कर मेले की आय बढ़ाने पर चर्चा किया इस दौरान ई ओ विन्ध्याचल,एस आई पी के गुप्ता,व्यापार मंडल अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल,जमील अहमद,रामकुमार,अम्रेन्द्र कुमार,सफाई नायक राजकुमार पांडेय,राजेश वर्मा,रामचरण आदि उपस्थित थे।

कम्बल वितरण पर सख्त हुए विधायक, सीएम को लिखा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। भीषड़ ठंढ को देखते हुए तहसील प्रशासन ने कतिथरूप से लेखपालों के माध्यम से उनके क्षेत्र में करीब 1275 कम्बल गरीब व पात्र लोगों को बंटवाया है, जिसकी सूची स्थानीय विधायक विनय वर्मा ने मांगी है। विधायक विनय वर्मा ने तहसील प्रशासन के तहसीलदार पर आरोप लगाते हुए सीएम को संबोधित पत्र में लिखा है कि 5 जनवरी 23 को तहसीलदार राजेश सिंह ने मुझे फोन पर बताया कि आपको 225 कम्बल ही बाँटने है, जब उनसे सवाल किया गया की क्या 225 कंबल ही बटेंगे, तो उन्होंने कहा कि शोहरतगढ़ तहसील में 1500 कंबल बाँटने थे, 1275 कंबल लेखपालों द्वारा बांट दिया गया है। आपको केवल 225 कंबल ही बाँटने है। विधायक विनय वर्मा ने मुख्यमंत्री के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने खुली बैठक में सभी को निर्देश दिए थे कि प्रत्येक वितरण कार्य मे स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता जरुरी है। ऐसे में तहसीलदार द्वारा आपके निर्देश का उलंघन करना चयनित जनप्रतिनिधियों को प्राप्त अधिकारों पर कुठाराघात है, उन्होंने ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने असामयिक आई बाढ़ से हुए नुकसान की प्रतिपूर्ति को लेकर भी सवाल उठाए है। विधायक विनय वर्मा ने एसडीएम और तहसीलदार पर आरोप लगाए है कि उन्होंने संबंधित सहायकों के साथकतिथ सांठगांठ करके लाभार्थियों का नाम, आधार, ऋण की राशि तो सही अंकित किया गया किन्तु बैंक खाता संख्या में हेराफेरी कर अपने कृपापात्र लोगों के नाम का खाता संख्या डालकर धनराशिके खेल कर बन्दर बाँट किया है। जिसके सम्पूर्ण जांच की मांग की है।

प्रधान शिव सागर यादव को पुलिस ने किया गिरफ्तार अवैध वसूली का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इंटरनेट पर वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर बुधवार को पुलिस ने मोहाना थाना क्षेत्र के दूल्हा दरमियानी के प्रधान शिव सागर यादव को गिरफ्तार कर लिया उनके ऊपर आरोप है कि टूरिस्ट बसों से अवैध वसूली किया जा रहा था आपको बता दें कि सूत्रों के मुताबिक मोहाना थाना क्षेत्र के दूल्हा दरमियानी के प्रधान के अगुवाई में पर्यटको के वाहन से पैसा वसूल करने का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था जिसमें दिख रहा था कि प्रधान स्वयं प्रति ध्400 टूरिस्ट बसों से वसूला जा रहा था। आपको बता दें कि लुंबिनी पर्यटन क्षेत्र होने के नाते कपिलवस्तु एंव लुंबिनी में आने वाले बस कोई एनएच 233 पर जाना पड़ता था जिस के नाते ग्राम पंचायत के सीमा में गाड़ी खड़ा करने के एवज में ग्राम प्रधान द्वारा अवैध वसूली किया जा रहा था इसको संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया वैसे देखा जाए तो प्रधान शिव सागर यादव का कहना है कि पंचायती

राज में नियम है कि ग्रामसभा की भूमि जो प्रयोग करेगा उसे कर वसूल किया जाएगा, लेकिन यह कर किस मद में जमा किया जाएगा प्रधान शिव सागर यादव इसे बताने में नाकाम रहे अब देखना है कि प्रशासन अभी तक कितने पैसे वसूले गए हैं और किस मद में जमा किया गया है इसकी जांच करता है या नहीं यदि इसकी जांच की जाती है तो शिव सागर यादव के ऊपर प्रधानी जाने का भी खतरा मड़रा सकता है।

धरने के तीसरे दिन भी मांगों को लेकर और मुखर हुए प्रधान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। विभिन्न मांगों को लेकर के आंदोलन के तीसरे दिन भी प्रधानों का धरना जारी रहा। सरकार के अडियल रवैये से नाराज ब्लॉक कार्यालय गेट के सामने तीसरे दिन बैठे प्रधान नारेबाजी के जरिये दिन भर अंतर्मन की भंडास निकालते रहे। कड़ाके की ठंढ के बावजूद खेसरहा ब्लॉक मुख्यालय पर एकत्रित प्रधानों ने प्रधान एकता जिन्दाबाद के नारे लगाए। बड़ी संख्या में एकत्रित प्रधान शाम तक धरना स्थल पर डटे रहे। इस दौरान लोगों ने नरेगा में सरकार द्वारा थोपे जा रहे नियमों को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए पुरानी व्यवस्था को ही लागू किए जाने की बात कही! प्रधान संगठन अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर दिन भर नारेबाजी करता रहा। उक्त दौरान प्रधान प्रतिनिधि घनश्याम लोधी, सदाबृक्ष यादव,सदानन्द चौधरी, बनारसी, महेंद्र कुमार चौधरी, शिवकुमार चौधरी, मुन्नी लाल, शिवकुमार, प्रधान लखपति, अनिल कुमार, इद्रीश, मकसूद, गनेश राय, चन्द्रेश यादव, अंकित पाण्डेय, आदि सहित बडी संख्या में अन्य प्रधान के साथ नरेगा मजदूर भी मौजूद दिखे।

सम्पादकीय

कालांतर में सनातन संस्कृति के प्रचारक और उन्नायक स्वामी विवेकानन्द जी के स्वप्न के भारत में हिंदुत्व के सांगठनिक एकत्रीकरण को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बखूबी पूरा कर रहा है। संगठन न बना पाने की टीस स्वामी विवेकानंद जी में थी। आज सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ...

सनातन संस्कृति के अग्रदूत स्वामी विवेकानन्द

विनय कांत मिश्र
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। स्वामी विवेकानन्द सनातन संस्कृति के अग्रदूत थे। गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस के प्रति अगाध निष्ठा की पराकाष्ठा नरेंद्रनाथ दत्त को स्वामी विवेकानन्द के रूप में रूपांतरित करती है। समूचे विश्व को भाई और बहन के रूप में समझकर भातृत्व और मातृत्व शक्ति का विकास और विस्तार स्वामी विवेकानंद का लक्ष्य और सपना था।स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी सन 1863 ईस्वी में कोलकाता में विश्वनाथ दत्त के यहां हुआ था। माता भुवनेश्वरी देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। पिता हाईकोर्ट में वकील थे। माता भुवनेश्वरी देवी शिव भक्त थीं। इसलिए शिवत्व का एक कण स्वामी विवेकानंद को सदैव आलोकित करता है।स्वामी विवेकानन्द संत और महान विचारक थे। वे कहते थे कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे बालकों का सर्वांगीण विकास हो सके। वे व्यावहारिक शिक्षा पर बल देते थे और कहते थे कि तुमको कार्य के सभी क्षेत्रों में व्यावहारिक बनना पड़ेगा। सिद्धांतों के ढेरों ने सम्पूर्ण देश का विनाश कर दिया है। स्वामी विवेकानन्द जी यह भी मानते हैं कि हमें विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा देनी चाहिए जिससे व्यक्ति का चरित्र निर्माण हो। मन का बल बढ़े और बुद्धि का विकास हो। इसके साथ ही व्यक्ति स्वावलंबी बने। ऐसा कहकर वे शिक्षा की लौकिकता को प्रमाणित करना चाहते हैं। पारलौकिक दृष्टि से उनकी शिक्षा के विषय में धारणा है कि शिक्षा व्यक्ति की अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है। चारित्रिक निर्माण और आत्मिक स्वावलंबन स्वामी विवेकानंद जी का सपना था। विवेकानंद जी के सपने का भारत जातिगत तुच्छताओं से दूर है। वे सनातन की एकात्मता के प्रेरणा पुंज हैं। स्वामी विवेकानंद सन 1893 में शिकागो के धर्म सम्मेलन में भाग लेने गए। उनका यह संबोधन कि मेरे भाइयों और बहनोंय ने समूची धर्म सभा का हृदय जीत लिया। समता, ममता और बंधुत्व के संदेश के द्वारा वे जातिगत विषमताओं को दूर करते हुए सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर आलोकित करते हैं। कालांतर में सनातन संस्कृति के प्रचारक और उन्नायक स्वामी विवेकानन्द जी के स्वप्न के भारत में हिंदुत्व के सांगठनिक एकत्रीकरण को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बखूबी पूरा कर रहा है। संगठन न बना पाने की टीस स्वामी विवेकानंद जी में थी। आज सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ युवा भारत के आध्यात्मिक और चारित्रिक निर्माण के लिए सन्नधता पूर्वक कार्य कर रहा है। उनकी तीन कृतियां योग, राज योग और ज्ञान योग उन्हें युगों युगों तक जीवित रखेगा।

सार्वजनिक या निजी हित?

संकेत यह है कि ये उन कंपनियों को सब्सिडी देने के लिए होगी, जो ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेश करेंगी। इस तरह सेमीकंडक्टर और अन्य क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को सार्वजनिक धन देने का ट्रेंड और आगे बढ़ेगा। बीते हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी। ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। सरकारी तौर पर बताया गया कि इस मिशन के 19,744 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी गई है। इस भाषा का संकेत यह है कि ये उन कंपनियों को सब्सिडी देने के लिए होगी, जो इस क्षेत्र में निवेश करेंगी। इस तरह सेमीकंडक्टर और अन्य क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को सार्वजनिक धन देने का जो ट्रेंड हाल में व्यवहार में आया है, वह और आगे बढ़ेगा। अभी तक इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि इस तरह के प्रोत्साहन से लगने वाले उद्यमों पर क्या किसी प्रकार का सार्वजनिक नियंत्रण होता है? यह सीधे तौर पर करदाताओं का धन निजी कंपनियों को देने और उनकी समृद्धि को ही देश का विकास मानने की सोच का हिस्सा है? दुनिया के कई देशों में ऐसी योजनाएं पहले अमल में लाई गई हैं। लेकिन उनसे वहां के आम जन का कोई हित सधा है, इस बात के कोई प्रमाण नहीं हैं। बहरहाल, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत यह उम्मीद जोड़ी गई है कि भारत 2030 तक 50 लाख टन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगा। सरकार का कहना है कि इस फैसले से जीवाश्म ईंधन जैसे कच्चा तेल, कोयला आदि के आयात में एक लाख करोड़ रुपये तक की कमी का अनुमान है। इसके अलावा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में पांच करोड़ टन की कमी आएगी। इस मिशन का मकसद पेट्रोल–डीजल जैसे जीवश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करते हुए देश को स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन का केंद्र बनाना है। योजना सफल होने पर लोगों को महंगे पेट्रोल और डीजल का विकल्प मिल जाएगा। यह बात ठीक है कि ग्रीन हाइड्रोजन एक तरह की स्वच्छ ऊर्जा है। इसे नवीकरणीय ऊर्जा की मदद से इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए बनाया जाता है और इसे बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह से कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन से मुक्त होती है। मगर प्रश्न यही है कि निजी क्षेत्र की कंपनियों को ऐसे प्रयास में जोडने के लिए क्या सब्सिडी देना ही एकमात्र उपाय है?

महिलाओं का संकट और उनकी रोजी-रोटी

महिलाएं जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन के लिए महत्वपूर्ण हैं और उन्हें निर्णय लेने में शामिल होना चाहिए जलवायु परिवर्तन का पुरुष के मुकाबले महिला की सेहत पर ज्यादा बुरा असर हो रहा है। जलवायु परिवर्तन की वजह से मृत्यु और उनको लगने वाली चोट की दर पुरुषों के ...

अजय दीक्षित

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विभिन्न समूहों और समुदायों में महसूस किया जाता है। हालांकि, यह प्राकृतिक संसाध ानों पर भारी निर्भरता, उच्च गरीबी स्तर, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच की कमी आदि के कारण महिलाओं के लिए आनुपातिक रूप से अधिक है । बाढ़–सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं का गरीब महिलाओं पर अधिक प्रभाव पड़ेगा, जो विनाशकारी प्रभाव भी पैदा कर सकता है। एशिया और अफ्रीका में जलवायु परिवर्तन के चलते पुरुषों को अपने खेतों को छोड़कर काम–धंधे की तलाश में पलायन करना पड़ रहा है, जिससे घर पर रहने वाली महिलाओं पर काम का दबाव बढ़ रहा है। महिलाओं को अकेले ही अपने बच्चों–खेतों का ध्यान रखना होता है। ये विषम परिस्थितियों में जीवन जीने को मजबूर हैं। उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। दरअसल, लैंगिक असमानता के चलते महिलाएं मछली पकडने, कृषि, बागवानी आदि जैसी आजीविका पर अधिक निर्भर हैं। जो जलवायु परिवर्तन से खतरे में हैं। जलवायु परिवर्तन की घटनाओं में वृद्धि से महिलाओं की उत्पादकता और आय में कमी आएगी, जिससे लैंगिक असमानता का स्तर बढ़ेगा। दरअसल, सूखा और बाढ़ जगह को रहने लायक नहीं छोड़ते हैं, जिससे कमजोर क्षेत्र में रहने वाले लोगों के समूह का विस्थापन हो सकता है। हालांकि, इससे महिलाओं के प्रभावित होने की संभावना अधिक होती है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के आधार पर, जलवायु परिवर्तन से विस्थापित होने वाले लोगों में 80 फीसदी महिलाएं हैं। महिलाएं सूखे और पानी की कमी से भी अधिक प्रभावित होती हैं, अक्सर दूर के जल संसाधनों तक यात्रा करने और अपने परिवारों के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए काफी समय खर्च करती हैं। पूर्वी अफ्रीका में, सूखे के कारण चरवाहे किसानों को पानी खोजने के लिए काफी आगे की यात्रा करनी पड़ी है। जलवायु परिवर्तन कृषि की उत्पादकता को कम करता है,

जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता है। भोजन की कमी के समय लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम भोजन उपलब्ध कराए जाने की आशंका अधिक होती है, इस प्रकार वे कुपोषण और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं, विशेष रूप से वेक्टर जनित रोग जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अधिक प्रचलित हैं । आपदाओं के बाद, महिलाओं के यौन उत्पीडन, हिंसा का शिकार होने और अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन का सामना करने की संभावना अधिक होती है । इस संकट के चलते महिलाओं ने ऐतिहासिक रूप से जल संचयन, खाद्य संरक्षण और राशनिंग और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित ज्ञान और कौशल विकसित किया है। इस पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, अफ्रीका में बूढ़ी महिलाएं अपने विरासत में मिले ज्ञान से आपदा की शुरुआती चेतावनियों और आपदाओं के प्रभावों को कम करने से संबंधित ज्ञान पूल का प्रतिनिधित्व करती हैं। शिक्षा और कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूहों का लाभ उठाया जा सकता है। जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अनुकूलन रणनीति विकसित करने में मदद कर सकते हैं। महिलाएं प्राकृतिक आपदाओं के लिए सामुदायिक प्रतिक्रियाओं के रूप में कार्य कर सकती हैं। जमीनी स्तर के महिला संगठनों के माध्यम से जलवायु निवेश को आगे बढ़ाया जा सकता है । अनुकूलन पहलों, विशेष रूप से जल, खाद्य सुरक्षा, कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और संघर्ष से संबंधित क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के लिंग–विशिष्ट प्रभावों की पहचान और पता करना चाहिए। महिलाओं की प्राथमिकताओं और जरूरतों को विकास योजना और वित्त पोषण में प्रतिबिंबित होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन की चुनौती के मुकाबले के लिये संसाधनों के आवंटन के संबंध में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी हो। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों में लिंग–संवेदनशील निवेश सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। अनुदान देने वाले संगठनों और दाताओं को विकास करते समय महिला– विशिष्ट परिस्थितियों को भी ध यान में रखना चाहिए। महिलाएं अभी भी एक बड़े पैमाने पर निर्णायक भूमिका में नहीं हैं। प्रतिबंधित भूमि अधिकार, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच की कमी, प्रशिक्षण व प्रौद्योगिकी और राजनीतिक निर्णय लेने वाले क्षेत्रों तक सीमित पहुंच अक्सर उन्हें जलवायु परिवर्तन से निपटने में पूरी भूमिका निभाने से रोकती हैं। महिलाएं जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन के लिए महत्वपूर्ण हैं और उन्हें निर्णय लेने में शामिल होना चाहिए जलवायु परिवर्तन का पुरुष के मुकाबले महिला की सेहत पर ज्यादा बुरा असर हो रहा है। जलवायु परिवर्तन की वजह से मृत्यु और उनको लगने वाली चोट की दर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में दो– तिहाई ज्यादा है। महिलाओं को सशक्त बनाने की जरूरत है ।

वर्ष 2023 : बेहतर आर्थिक संभावनाएं

निर्यात बढ़ाने के साथ गैर–जरूरी आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा कम करना होगा। साथ ही, भारत के आर्थिक रणनीतिकारों को प्रतिकूल वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के मद्देनजर रक्षात्मक रणनीति बनाने के लिए तैयार रहना होगा। हम उम्मीद करें कि नये वर्ष 2023 में जी–20 की अध्यक्षता के बीच ऐसे रणनीतिक प्रयत्न किए जाएंगे, जिनसे चीन प्लस वन की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया के...

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

एक जनवरी को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कठिन वर्ष रहेगा। वैश्विक विकास दर घटेगी, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था 6.1 फीसदी की विकास दर के साथ आगे बढ़ेगी। सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस रिसर्च (सीईबीआर) यूके ने 2023 के लिए भारत की विकास दर 6.5 फीसदी अनुमानित की है। इसी तरह एक जनवरी को प्रकाशित भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख 35 मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) के एक सर्वेक्षण से भी खुलासा हुआ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तुलना में तेज वृद्धि करेगी। नये वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश और रोजगार बढ़ेंगे तथा अर्थव्यवस्था अपनी जुझारू क्षमता और मजबूत वृहद् आर्थिक बुनियाद के कारण दुनिया में सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि दुनिया के आर्थिक परिदृश्य पर चीन में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन बीएफ–7 की वजह से दुनिया में कोरोना से नई चिंताएं और अमेरिकी मौद्रिक नीति, बढ़ते वैश्विक कर्ज एवं भू राजनीतिक परिस्थितियों से वैश्विक मंदी की आशंकाओं से चुनौतियां उभर कर दिखाई दे रही हैं। यद्यपि ये सब वैश्विक आर्थिक घटक भारत को भी कई तरह से प्रभावित करेंगे लेकिन बीते वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था के दमखम के साथ आगे बढने के आधार 2023 में भी भारत की मुट्ठी में रहेंगे। साथ ही, 2023 में जी–20 की अध्यक्षता भारतीय अर्थव्यवस्था को 2023 में आगे बढ़ाने का एक और आध ार देते हुए दिखाई देगी। गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात प्रसारण में कहा कि इस समय भारत पांचवी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। 2022 में देश में 220 करोड़ से अधिक कोरोना की खुराक दी गई। अब 2023 में जी–20 की अध्यक्षता भारत के लिए गर्व की बात है, और नये वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे बढने की नई संभावनाएं उभर कर दिखाई दे रही हैं। वस्तुतरू बीते वर्ष 2022 ने उद्योग–कारोबार और सर्विस के लिए दमदार वापसी की जमीन तैयार कर दी है। बीते वर्ष 2022 में लगभग प्रति माह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी, उद्योग–कारोबार गतिविधियों में बेहतरी के अनुमान से अच्छे रोजकोषीय नतीजे के कारण गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन में वृद्धि हुई। दिसम्बर, 2022 में 1.49 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ। दिसम्बर महीने में जीएसटी कलेक्शन पिछले वर्ष दिसम्बर, 2021 की तुलना में 15 फीसदी अधिक है। 2023 में जीएसटी कलेक्शन बढने की संभावना होगी। 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपये में किए जाने संबंधी महत्त्वपूर्ण निर्णय कार्यान्वित होते हुए दिखाई देगा। आरबीआई के द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपये में किए जाने संबंधी निर्णय के बाद इस समय डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान, एशिया और अफ्रीका के साथ विदेशी व्यापार के लिए डॉलर की बजाय रुपये में भुगतान को बढ़ावा देने की नई संभावनाएं 2023 में सामने खड़ी हुई दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि एक नवम्बर, 2022 से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने देश में डिजिटल रुपये के नये दौर की जो प्रायोगिक तौर शुरूआत की है, वह नये वर्ष में विस्तारित होते हुए दिखाई देगी। 2023 में भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिए विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। 2022 में एक मई से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एवं 29 दिसम्बर से ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए लागू हो चुके हैं। 2023 निवेश के लिहाज से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के मुकाबले भारत में इक्विटी और डेट, दोनों ही मामलों में बेहतर परिणाम संभावित होंगे। 2022 में वैश्विक सुस्ती के बीच भी भारत के शेयर बाजार ने अच्छे परिणाम दिए हैं, और 5 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 60353 के आसपास केंद्रित होते हुए दिखाई दिया। भारत का शेयर बाजार 2023 में और ऊंचाई पर पहुंचते हुए दिखाई देगा। निस्संदेह 2023 में देश कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ेगा। फसल वर्ष 2021–22 के चौथे अग्रिम अनुमान के मुताबिक देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.57 करोड़ टन हुआ है। फसल वर्ष 2022–23 में रिकॉर्ड फसल के अनुमान प्रस्तुत हुए हैं। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक जिस तरह अप्रैल से अक्टूबर, 2022 के सात महीनों में कृषि और संबंद्ध वस्तुओं का निर्यात करीब 12 फीसदी बढ़कर 30 अरब डॉलर हो गया है, उसमें 2023 में और अधिक तेजी से वृद्धि होगी। चूंकि 2023 में भारत के पास जी–20 की अध्यक्षता होगी, इससे भी देश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। निश्चित रूप से 2023 में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत द्वारा आर्थिक उम्मीदों को मुट्ठी में लेने के लिए कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा। कोरोना की नई चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा कोरोना से बचाव का महाअभियान चलाया जाना होगा और बूस्टर खुराक के लिए निशुल्क अभियान दोबारा शुरू किया जाना होगा। महंगाई को नियंत्रित रखना होगा। निर्यात बढ़ाने के साथ गैर–जरूरी आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा कम करना होगा। साथ ही, भारत के आर्थिक रणनीतिकारों को प्रतिकूल वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के मद्देनजर रक्षात्मक रणनीति बनाने के लिए तैयार रहना होगा। हम उम्मीद करें कि नये वर्ष 2023 में जी–20 की अध्यक्षता के बीच ऐसे रणनीतिक प्रयत्न किए जाएंगे, जिनसे चीन प्लस वन की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया के नये आपूर्ति केंद्र, मैन्युफैक्चरिंग हब, अधिक विदेशी निवेश और अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा। उम्मीद करें कि नये वर्ष 2023 में भारत आर्थिक एवं वित्तीय चुनौतियों के बीच विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा और दुनिया के आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों के अनुमानों के मुताबिक 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच भी 6 फीसदी से अधिक विकास दर के साथ दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगी।

विराट कोहली की धमाकेदार सेंचुरी लगाने के बाद दिए रिएक्शन से चौंक गए फैंस

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली शतक जड़ने के बाद फिर से चर्चा का विषय बन गए है। विराट कोहली ने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में धमाकेदार शतकीय पारी खेलते हुए 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 87 गेंदों में 113 रन बनाए। विराट के करियर का ये 45वां शतक रहा था। इस मुकाबले के बाद विराट कोहली मैन ऑफ द मैच बने। सेरेमनी के दौरान उन्होंने ऐसा बयान दिया है जो लगातार चर्चा का विषय बन गया है।

विराट कोहली ने सेरेमनी के दौरान कहा कि, मैंने सीखा है कि हताशा कहीं लेकर नहीं जाती। आपको चीजों को जटिल बनाने की आवश्यकता नहीं है। मैदान में बिना किसी डर के खेलो। मैं चीजों को पकड़ कर नहीं रखता। उन्होंने कहा कि हर मुकाबले को इस सोच के

साथ खेलना चाहिए कि वो अंतिम मुकाबला हो। खेल आगे बढ़ता रहे। मैं हमेशा तो नहीं खेलता रहूंगा। मैं खुश हूं और जहां हूं उसका आनंद ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी पारी में कुछ अलग नहीं किया। मेरी तैयारी और इरादा हमेशा एक ही रहता है। उन्होंने कहा कि मुझे समझ आ गया था कि हमें 25–30 अधिक रनों की जरुरत है। दूसरे हाफ के दौरान परिस्थितियों को समझते हुए बोर्ड पर बड़ा और फाइटिंग स्कोर लाने की कोशिश की। गौरतलब है कि श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शतक जड़ने के बाद विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। दरअसल सचिन तेंदुलकर के नाम भारत में 20 शतक जड़ने का रिकॉर्ड है। अब विराट कोहली ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। सचिन तेंदुलकर ने 164 मैच खेलते हुए 20 शतक जड़े थे जबकि कोहली ने 102 मैचों में ही ये आंकड़ा छू लिया है।

कोहली ने बनाए सबसे अधिक रनः इसी के साथ विराट कोहली ने सबसे कम पारियां खेलते हुए 12500 रन भी पूरे कर लिए है। उन्होंने ये आंकड़ा 257 पारियों में हासिल किया है। जबकि सचिन तेंदुलकर ने ये आंकड़ा 310 और रिकी पॉन्टिंग ने ये आंकड़ा 328 पारियों में पूरा किया था। विराट ने अपनी पारियों में 45 शतक औ 65 अर्धशतक लगाए है।

रणजी ट्रॉफी में युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का धमाल

400 रन से चूके, सेलेक्टर्स को दिया करारा जवाब

रणजी ट्रॉफी में भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने धमाल मचाया है। पृथ्वी शॉ ने तूफानी पारी खेलते हुए असम के खिलाफ 379 रन बनाए हैं। हालांकि, वह 400 रन बनाने से चूक गए। उन्हें असम के गेंदबाज रियान पराग ने आउट किया। पृथ्वी शॉ लगातार शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हालांकि, उन्हें टीम इंडिया में वापसी का मौका नहीं मिल पा रहा है। मुंबई की ओर से ओपनिंग करने आए पृथ्वी शॉ ने 383 गेंदों में 379 रनों की पारी खेली जिसमें 49 चौके और 4 छक्के शामिल थे। पृथ्वी शॉ ने अपनी इस पारी से सभी का ध्यान खुद की ओर आकर्षित किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने बीसीसीआई को भी करारा जवाब

दिया है। दरअसल, पृथ्वी शॉ काफी दिनों से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन टीम इंडिया में उनकी वापसी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। अपनी इस पारी से पृथ्वी शॉ डोमेस्टिक क्रिकेट में कई रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। पृथ्वी शॉ भारतीय फर्स्ट क्लास और रणजी के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने संजय मांजरेकर के 1991 वाले रिकॉर्ड को भी ध्वस्त किया है जिसमें उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ 377 रन बनाए थे। रणजी ट्रॉफी के इतिहास को देखें तो सिर्फ एक बार ही ऐसा मौका आया है जब कोई खिलाड़ी 400 रन बनाने में सफल हुआ है। यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के बीबी निम्बालकर ने बनाया था। यह बात 1948 की है। उन्होंने उस वक्त 443 रनों की पारी खेली थी। पृथ्वी शॉ पहले दिन 240 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। दूसरे दिन वह 379 रनों तक पहुंचने। पृथ्वी शॉ का स्ट्राइक रेट 98.96 का रहा। अगर पृथ्वी शॉ थोड़ी देर भी क्रीज पर रहते तो वह 400 रन का स्कोर बना सकते थे। पृथ्वी शॉ की बात करें तो वह भारतीय टीम के लिए पांच टेस्ट मैच, 6 एक दिवसीय मैच और एक टी–20 मुकाबले खेल चुके हैं। टेस्ट मैचों में वह भारत के लिए ओपनिंग करने आए थे। उन्होंने 42.38 की औसत से अब तक 339 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल है। एकदिवसीय मुकाबलों में उनके बल्ले से 189 रन निकले हैं। उनका औसत 31 का रहा है। आईपीएल में पृथ्वी शॉ दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हैं। 63 मुकाबलों में उन्होंने 1588 रन बनाए हैं। 99 उनका उच्च स्कोर रहा है। औसत 25.21 का है।

रोहित शर्मा ने Sportsman spirit से जीता फैंस का दिल,श्रीलंका के दिग्गजों ने भी की तारीफ

भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए पहले एक दिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ऐसा शानदार खेल दिखाया जिसके बाद हर तरफ उनकी तारीफ हो रही है। रोहित शर्मा ने मैच के दौरान श्रीलंका की पारी के अंतिम ओवरों में कुछ ऐसा किया जिसके बाद उनकी प्रशंसा के पुल बांधे जा रहा है। रोहित शर्मा ने मुकाबले के दौरान स्पोर्ट्समैन स्पिरिट दिखाई जिसके बाद हर कोई उनका फैन हो गया।

श्रीलंकाई कप्तान और ऑलराउंडर दासुन शनाका मैच के 50वें ओवर में 98 रन के स्कोर पर खेल रहे थे। इस दौरान मोहम्मद शमी ने शनाका को मांकडिंग कर दिया। दरअसल अंतिम ओवर की चौथी गेंद खेलते हुए नॉन स्ट्राइकर एंड पर थे। इस दौरान शमी ने शनाका को मांकडिंग कर दिया और उनकी गिल्लियां बिखेर दी। बता दें कि क्रिकेट के नियमों के मुताबिक 98 के स्कोर पर शनाका आउट हो गए थे।

मगर कप्तान रोहित शर्मा ने इस दौरान दरियादिली दिखाई और शनाका को आउट किए जाने की अपील को वापस लिया। रोहित शर्मा द्वारा अपील वापस लिए जाने के बाद शनाका ने अंतिम ओवर की पांचवी गेंद पर चौका मारकर शतक पूरा किया। उन्होंने अंतिम गेंद पर भी छक्का मारा।

मैच के बाद रोहित ने दिया बयानः इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद रोहित शर्मा ने बयान दिया कि उन्हें

नहीं पता था कि शमी ने ये कदम उठाया है। शनाका 98 के स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। शनाका ने पूरे मैच में शानदार खेल दिखाया और दमदार बल्लेबाजी की। शनाका को इस तरह से आउट नहीं कर सकते थे।

दिग्गजों ने की रोहित की तारीफः इस मैच में रोहित शर्मा द्वारा दिखाई गई स्पोर्ट्समैन स्पिरिट की तारीफ श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी रहे सनथ जयसूर्या ने भी की है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि रोहित शर्मा ने जिस तरह से रनआउट वापस लेने की अपील की वो ही असली खेल भावना थी। एंजेलो मैथ्यूस ने ट्विट किया कि कई कप्तान ये कदम नहीं उठाएंगे। रोहित शर्मा द्वारा रनआउट की वापस लेने की अपील खेल भावना का शानदार प्रदर्शन है।

भारतीय टीम ने जीत के साथ किया आगाज

विराट कोहली के करियर के 45वें एकदिवसीय शतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां श्रीलंका को 67 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई। कोहली ने दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 113 रन की पारी खेली जिससे भारत ने छह विकेट पर 373 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कोहली ने 87 गेंद में 12 चौके और एक छक्का जड़ा। सलामी बल्लेबाजों कप्तान रोहित शर्मा (83) और शुभमन गिल (70) ने भी अर्धशतक जड़ने के अलावा पहले विकेट के लिए 143 रन जोड़कर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी।

श्रीलंका की टीम इसके जवाब में कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 108, 88 गेंद, 12 चौके और तीन छक्के) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका (72) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 306 रन ही बना सकी। शनाका ने आखिरी ओवर में शमी की पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 87 गेंद में दूसरा शतक पूरा किया।

Malaysia Open: प्रणय ने हमवतन लक्ष्य सेन को हराया

कुआलालम्पुर। फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय ने अपना

शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में बुधवार को हमवतन लक्ष्य सेन को हरा दिया। पिछले साल विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंचे प्रणय ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 10वीं रैंकिंग वाले सेन को 22 . 24, 21 . 12, 21 . 18 से हराया। केरल के 30 वर्ष के प्रणय का सामना अब इंडोनेशिया के चिको ओरा द्वि वोर्डोयो या डेनमार्क के हैंस क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगुस से होगा। प्रणय और सेन की टक्कर पिछले साल पांच बार हुई जिसमें सेन 3 . 2 से आगे थे। इस मैच में दोनों ने तेज शुरूआत की और प्रणय ने दो अंक की बढत के साथ आगाज किया। सेन ने हालांकि जल्दी ही वापसी करके स्कोर 13 . 13 कर लिया। कुछ विवादित लाइन कॉल के बाद स्कोर 19 . 19 था। सेन ने एक अंक बनाया लेकिन तुरंत गंवा भी दिया। प्रणय भी बढत कायम नहीं रख सके और पहला गेम गंवा दिया। दूसरे गेम में प्रणय 4 . 1 से आगे थे जब सेन ने कई सहज गलतियां कीं। उसने आक्रामकता दिखाई लेकिन प्रणय उससे काफी आगे थे। प्रणय ने नौ अंकों की बढत के साथ यह गेम जीत लिया। निर्णायक गेम में सेन ने 8 . 4 की बढत बनाई लेकिन प्रणय ने जल्दी ही 9 .9 से बराबरी की। इसके बाद से उन्होंने सेन को लौटने का मौका नहीं दिया।

अफगानिस्तान में भारत और चीन के बीच छिड़ा नया विवाद, ड्रैगन ने हथिया लिया ये बड़ा प्रोजेक्ट

अफगानिस्तान में सत्ता हासिल कर लेने के बाद भी भारत ने तालिबान की सरकार को मान्यता नहीं दी है। इसके बावजूद तालिबान ने भारत को निवेश का न्यौता दिया है। तालिबान निवेश की गुहार लगा रहा है। तालिबान के हुक्मरानों की तरफ से भी भारत से प्रोजेक्ट फिर से शुरू करने की बात भी कही जाती रही। भारत ने पिछले दो दशक में अफगानिस्तान में 22 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। तमाम परियोजनाओं में पैसा लगाया। तालिबान ने मदद की गुहार लगाते हुए भारत से कहा

है कि वो निवेश करे और नई इंफ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाओं को शुरू करे। तालिबान का ये फैसला चौंकाने वाला है। जिसके पीछे की वजह है कि भारत के तालिबान के साथ अभी तक कोई औपचारिक रिश्ते नहीं हैं। अफगानिस्तान में भारत और चीन के बीच नया बवाल शुरू हो गया है। अफगानिस्तान प्राकृतिक संसाधनों का भंडार है। तालिबान चाहता है कि भारत अफगानिस्तान में आए। लेकिन भारत के आने से पहले चीन ने अफगानिस्तान में एक बड़ा प्रोजेक्ट हथिया लिया है। चीन ने अफगानिस्तान में तेल खनन का एक बड़ा ठेका हथिया लिया है। ये सौदा 25 साल की अवधि के लिए हुआ है। चीन ने इसे दोनों देशों के लिए एक अहम प्रोजेक्ट बताया है। दोनों देशों ने उत्तरी अमु दरिया बेसिन से तेल निकालने के लिए अपने पहले अंतरराष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद ये पहला सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय समझौता है। अफगानिस्तान में चीनी राजदूत वांग यू और तालिबान के उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की उपस्थिति में काबुल में चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की एक सहायक कंपनी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। आपको बता दें कि कुछ वजहों के कारण भारत अफगानिस्तान में जाने से हिचक रहा है। भारत तालिबान के साथ किसी परियोजना पर काम करेगा या नहीं अभी कहना मुश्किल है। भारत के तालिबान के साथ कभी भी औपचारिक रिश्ते नहीं रहे हैं। ऐसे में अगर भारत अफगानिस्तान में इन परियोजनाओं को शुरू करता है तो ये विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव होगा।

पाकिस्तान में गेहूं संकट का क्या है कारण? आटा लेने की लाइन में दम तोड़ती जिंदगी, वायरल हो रहे वीडियो

पाकिस्तान में आटे को लेकर शुरू हुआ बवाल थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। धीरे–धीरे पाकिस्तान के कई क्षेत्रों में आटे के लिए भारी भीड़ जुट रही है और लोग आपस में लड़ रहे हैं। आटे की किल्लत ऐसी है कि कई लोग घायल हो चुके हैं। पाकिस्तान से आ रही तस्वीरें दुनिया के सामने उसका असली चेहरा दिखाने के लिए काफी हैं। इससे ये भी पता चलता है कि कैसे एक देश आतंक पर पैसा खर्च करता है और आतंक को पालता है। लेकिन अपने नागरिकों के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम नहीं कर सकता है। आटा नहीं दे सकते तो हमारे ऊपर गाड़ी चढ़ा दो। हमें खत्म कर दो। ये आटा लेने के लिए संघर्ष कर रहे एक पाकिस्तानी का बयान है। आतंक का पालन–पोषण करने वाले पाकिस्तान की जनता आत्महत्या की बात कर रही है। 10 किलो आटे की बोरी का दाम 3100 रुपए पहुंच चुका है। लोगों को दैनिक उपयोग की वस्तुओं की एक–एक बोरी लेने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, हजारों लोग रोजाना घंटों आटे की थैलियों को प्राप्त करने में व्यतीत करते हैं जिनकी बाजार में आपूर्ति पहले से ही कम है।

पाकिस्तान में गेहूं के आटे की कीमतें: कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कराची में आटा 160 रुपये किलो बिक रहा है। हालांकि, इस्लामाबाद और पेशावर में 10 किलो आटे का बैग 1,500 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। दूसरी ओर सूबे में गेहूं का आटा 150 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो तक चढ़ गया। 150 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 15 किलो आटे की थैली अब 2,050 रुपये में बिक रही है। ऐसा ही खैबर पख्तूनख्वा के मामले में है जहां 3,000 पीकेआर प्रति बैग की रिकॉर्ड कीमत पर भी 20 किलो आटा बैग कम आपूर्ति में है।

अभी तक सिर्फ दो हफ्ते में 15 किलो आटे की थैली की कीमत में 300 रुपये की तेजी देखी जा चुकी है. जबकि, खुले बाजार में कीमतें अपरिवर्तित रहती हैं। तंदूरी रोटी और नान की कीमत भी एक साल पहले की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है।

कराची में आटा 140 रुपये प्रति किलोग्राम से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। पंजाब प्रांत में मिल मालिकों ने आटे की कीमत 160 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी है।

पाकिस्तान के हालात पर वायरल हो रहे वीडियो

पाकिस्तान के हालात पर कई सारे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। वीडियो में एक महिला घर में रखे खाली बर्तन को दिखाकर रोती नजर आ रही हैं। वो कहती नजर आती हैं कि बच्चे तक का पेट भरने के लिए हमारे पास आटा नहीं है। वो कहती दिखीं कि पानी पिलाकर कितने समय बच्चे को रखा जा सकता है। वहीं एक अन्य वीडियो में आटे की बोरी के लिए लोगों को लड़ते हुए देखा जा सकता है। एक बोरी को चार लोग झपट रहे हैं। एक वीडियो में आटा लेने के लिए लाइन में लगे एक शख्स ने जान गंवा दी।

बड़ी संख्या में भारतीय कर पाएंगे हज, सऊदी और भारत के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता

दुनियाभर से जो लोग हज करने जाना चाहते हैं। उनके लिए एक अच्छी खबर है। सऊदी अरब ने तीन साल के जायरीनो को लेकर जो प्रतिबंध लगाया थे। इसके साथ ही हज के लिए आयुसीमा का प्रतिबंध भी हटा दिया गया है। यानी बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हज करने जा सकेंगे। कोरोना की वजह से जो प्रतिबंध लगाए गए थे उन्हें हटा दिया गया है। हज और उमरा मंत्री तौफीक अल रबीयाह ने कहा है कि उमरा और वीजा की अवधि तीस दिन से बढ़ाकर 90 दिन कर दी गई है। हज और उमरा वीजा पर आने वाले लोग देश के किसी भी शहर का सफर कर सकते हैं। इसका सीधा सा मतलब है कि हज यात्रा का आने वाला सीजन महामारी से पहले जैसा होगा। भारत और सऊदी के बीच का समझौताः जेद्दाह में भारत और सऊदी के बीच एक बैलेट्रल समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद हज तीर्थयात्रियों के लिए ये बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जेद्दाह में हज और उमराह मंत्री डॉ. अबेलफत्ताह बिन सुलेमान मैश और भारतीय महावाणिज्यदूत मोहम्मद शाहिद आलम ने एग्रीमेंट साइन किया है। सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय ने ट्विटर पर ये ऐलान करते हुए कहा कि 1444 एच में हज तीर्थ यात्रियों की संख्या आयु प्रतिबंधों के बिना कोरोना महामारी से पहले जैसी स्थिति में आ जाएगी। हज पर जाने वालों के लिए सुविधाओं का ऐलानः इससे पहले भी सऊदी अरब ने हज पर जाने वाले मुसाफिरों के लिए बड़ी सुविधाओं का ऐलान किया है। जिसमें हज पैकेज की रकम को तीन किस्तों में अदा करना भी शामिल है। सऊदी हज मंत्रालय के मुताबिक हज पर जाने वाले किसी भी शख्स को अपनी सीट रिजर्व करने के लिए होटल कॉस्ट का 20 फीसदी जमा करना होगा। डाउन पेमेंट रजिस्ट्रेशन के 72 घंटे के भीतर करना होगा। वहीं बची 80 फीसदी रकम दो किश्तों में जमा कराना होगा। कब से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन? : सऊदी अरब सरकार ने ऐलान किया था कि साल 2023 के हज के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फिलहाल ये सेवा सिर्फ सऊदी अरब के लोगों के लिए है। बाकी देशों के लिए जल्द ही रजिस्ट्रेशन शुरू किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस साल जून में हज यात्रा शुरू होगी।

Paris station पर हमले में कई लोग घायल, हमलावर को पकड़ा गया

पेरिस। पेरिस में एक रेलवे स्टेशन पर कुछ लोगों पर चाकू से हमला किए जाने की खबर है। गृह मंत्री का कहना है कि पुलिस द्वारा हमलावर पर जब तक काबू किया जाता उसने कई लोगों को घायल कर दिया था। फ्रांसीसी मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। अज्ञात पुलिस सूत्रों के हवाले से मीडिया में आई खबरों में कहा गया है कि पुलिस ने बुधवार सुबह हमलावर पर गोलियां चलाईं। इसमें कहा गया कि हमलावर के पास चाकू था और उसने कई लोगों को घायल कर दिया था। पेरिस पुलिस का कहना है कि गारे डु नोर्ड स्टेशन पर अब स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन तत्काल कोई अन्य विवरण नहीं दिया। गृह मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन का भी कहना है कि हमलावर ने स्टेशन पर कई लोगों को घायल कर दिया, लेकिन उनके ट्वीट में उनकी संख्या या चोटों की स्थिति के बारे में कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमलावर पर "तेजी से काबू" पाया गया।

छपरा को हरा नेपाल विजयी

कुशीनगर। जनपद के सीमांत क्षेत्र में रामराज स्पोर्टिंग क्लब तरयासुजान द्वारा आयोजित आल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता के पांचवे दिन दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच बुटवल स्पोर्ट्स क्लब नेपाल व छपरा स्पोर्ट्स क्लब छपरा बिहार के बीच हुआ। दोनो टीमो ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए अनेको गोल का असफल प्रयास किया किन्तु खेल की समाप्ति तंक रोचकता बढ़ती गई। लेकिन किसी टीम ने कोई गोल नही कर पाई और अंत मे निर्णायकों की टीम ने ट्राईब्रेकर द्वारा हार जीत का फैसला करने का निर्णय लिया। जिसमे नेपाल की टीम ने अधिकतम गोल कर जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल मे जगह बना लिया। आज के मुख्य अतिथि केन यूनियन के अध्यक्ष संजय ओझा और अभिप्रिय ग्रुप के सीएमडी अभिषेक मिश्रा रहे। उक्त अवसर पर आयोजक अंशु तिवारी और अध्यक्ष प्रताप राय राजेश सिंह ने मुख्य अतिथि व खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया। उनके साथ संतोष मिश्रा, हरकेश रावत, वसीम अहमद, मनोज निगम, राजू यादव, प्रमोद ओझा, संतु ओझा, संजय राय, धर्मेंद्र यादव, इकरार अंसारी, लक्की राजभर आदि मौजूद रहे।

सर्द हवा से बढ़ी गलन भारी ठंड से लोग ठिठुरे नहीं निकला धूप

कुशीनगर। सर्द हवाओं के साथ गलन भरी ठंड से लोग ठिठुरते नजर आए। सुबह 11 बजे तक घना कोहरा छाया रहा। सर्द हवा से लोग परेशान हो गए। दृश्यता कम होने के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी रही। सोमवार को दोपहर में धूप निकली तो लोग बाहर निकले, लेकिन शाम को ठंड के चलते धूप भी बेअसर रही। अधिक लोग घरों में दुबके रहे। काम से बाहर निकले लोग जगह–जगह अलाव सेंकते नजर आए। मौसम में बदलाव से किसान चिंतित हैं। मंगलवार की सुबह से चल रही सर्द हवा ने मौसम का मिजाज बदल दिया। हालांकि सोमवार को दोपहर बाद धूप निकली, लेकिन उससे लोगों को कोई विशेष राहत नहीं मिली। सर्द हवा से गलन का प्रभाव बना रहा। मंगलवार की सुबह कोहरे की वजह से आवश्यक कार्य होने पर ही लोग बाहर निकले। गलन बढ़ने से सुबह बाजार में चहल–पहल भी देर से शुरू हुई। मंगलवार को दिन ढलते ही फिर सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी। शाम होते ही पडरौना शहर में सन्नाटा छा गया। सेवरही विज्ञान केंद्र सरगटिया की मौसम वैज्ञानिक श्रुति वी सिंह ने बताया कि इस समय पछुआ दोनों तरफ से हवा चल रही है। इसके चलते ठंड बढ़ी है। इस तरह का मौसम अगले तीन से चार दिनों तक रहेगा। इस दौरान सुबह व शाम कोहरे के साथ गलन भरी ठंड बनी रहेगी। गेहूं की फसल के लिए इस तरह का मौसम बेहतर है लेकिन सरसों समेत अन्य तिलहन की फसल में लाही कीट पड़ने की आशंका होती है।

कैम्प मे वाहन चालकों का किया गया नेत्र परीक्षण

कुशीनगर। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी मोहम्मद अजीम ने बताया कि मंगलवार को सड़क सुरक्षा माह के क्रम में विकास भवन रविंद्र नगर धूस में वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण व नेत्र परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। परीक्षण टीम में डॉ0 वेद मणि त्रिपाठी, डॉ संतोष कुशवाहा तथा नेत्र परीक्षण अधिकारी श्रवण कुमार, फार्मासिस्ट सरोज कुमार मिश्रा आदि शामिल रहे। इसी क्रम में अजय कुमार, रामचंद्र, मार्कण्डेय, मनुवर अली सोनू तिवारी, गोविंद इत्यादि चालकों का नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।इस दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, सहायक संभागीय निरीक्षक प्राविधिक आरडी प्रसाद वर्मा, यातायात निरीक्षक सत्य सान्याल शर्मा एवं विकास भवन के अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

यातायात पुलिस ने दुर्घटनाओ पर रोकथाम के लिए वाहनों पर लगाया रिफ्लेक्टर टेप

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा माह मे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को यातायात निरीक्षक नेतृत्व में यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा कुहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु पडरौना और कसया के विभिन्न चौराहों पर वाहनो में रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया। वाहन चालकों को यातायात नियमो से संबंधित हैंड बिल्स पर्चे देकर यातायात एवं सड़क सुरक्षा के नियमो के पालन हेतु जागरूक किया गया। यातायात कर्मियों द्वारा दुर्घटना बाहुल्य स्थानो का भ्रमण कर दुर्घटना की वास्तविक कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है। जिससे सड़को पर होने वाली घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु अन्य आवश्यक कदम उठाया जा सके। साथ ही शहर में निर्धारित नव चिन्हित पार्किंग स्थलों से ही वाहनो का संचालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु वाहन चालकों को लाउडस्पीकर लगा कर निर्देशित किया गया।

निराकरण दिवस के रूप में किया जाये कार्यक्रम का आयोजन

सीतापुर। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने बताया कि तहसील स्तर पर माह के प्रत्येक शुक्रवार को लाभार्थीपरक योजना के अन्तर्गत आय, जाति, निवास, उत्तराधिकार हैसियत, वरासत, दाखिल खारिज इत्यादि प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु समस्या निराकरण दिवस के रूप में बैनर लगाकर कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। उक्त दिवस में समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति भी शत–प्रतिशत सुनिश्चित करायी जाये एवं इसका प्रचार–प्रसार भी कराया जाये। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया है उपरोक्तानुसार तहसील स्तर पर समस्या निराकरण दिवस कार्यक्रम आयोजित करते हुए आय, जाति, निवास, वरासत, उत्तराधिकार हैसियत दाखिल खारिज इत्यादि के प्रकरणों के सम्बन्ध में प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाय एवं कृत कार्यवाही की सूचना उसी दिवस संलग्न प्रारूप पर सायं 05.00 बजे तक प्रत्येक दशा में इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये।

शीतलहरी की वजह से रोजगार मेला किया गया स्थगित-जिला रोजगार सहायता अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी आशा वर्मा ने बताया कि मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के आदेशानुसार बलरामपुर जिले के 04 आकांक्षात्मक विकास खण्डों (बार्डर क्षेत्र) में रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है, जिसमें निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक 12 जनवरी, 2023 को कार्यालय, खण्ड विकास अधिकारी गैंसड़ी जनपद बलरामपुर में प्रातः 11:00 बजे से कार्यालय जिला सेवायोजन, रा0आई0टी0आई0 उ0प्र0 कौशल विकास मिशन बलरामपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया था, जो शीतलहरी की वजह से स्थगित किया गया है।

पूर्व विधायक गजाला लारी और उनके बेटे समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

सलेमपुर। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने सपा की पूर्व विधायक फसीहा गजाला लारी और उनके बेटे मंजर समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि पूर्व विधायक की सह पर उनके बेटे ने पीड़ित को रजिस्ट्री ऑफिस ले जाकर उद्योग वाली जमीन अपने नाम से बैनामा करा ली। साथ ही ट्रैक्टर व कार आदि हड़प लिया।

लार थाना क्षेत्र के फतेहनगर निवासी ईंट उद्योग चलाने वाले व पूर्व विधायक के चालक मंसूर आलम ने 12 अप्रैल 2022 को पूर्व विधायक, उनके पुत्र सहित दो अन्य लोगों पर बंदूक के बल पर और मारपीटकर जमीन हड़पने का आरोप लगाया था। मंसूर ने इसकी शिकायत सलेमपुर पुलिस और एसपी से की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद मंसूर ने पिछले साल 30 अगस्त को कोर्ट में वाद दाखिल किया। उन्होंने न्यायालय को बताया था कि वह 1200 रुपये प्रतिमाह पर वह पूर्व विधायक की गाड़ी चलाते थे। कुछ दिनों बाद मंसूर ने घर का खर्च न चल पाने के कारण सीमेंटेड ईंट उद्योग लगाने की इच्छा गजाला लारी से जाहिर की। तब पूर्व विधायक ने अपने परिचित अजय कुमार सिंह से उनकी जमीन सीमेंटेड ईंट उद्योग के लिए मंसूर को दिलवा दी। मंसूर का कहना है कि उन्होंने व्यवसाय को आगे बढ़ाया और ट्रैक्टर–ट्रॉली और कार खरीद ली। आरोप है कि व्यवसाय में अधिक समय देने के कारण पूर्व विधायक मंसूर से नाराज हो गईं। इसके बाद अजय से कहकर मंसूर से जमीन खाली करवा ली। इसके बाद मंसूर ने दूसरी जमीन पत्नी के नाम से खरीदी। फिर मंसूर ने पूर्व विधायक से अपना हिसाब करने के लिए कहा।

इस पर 12 अप्रैल 2022 को सुबह 11 बजे पूर्व विधायक के कहने पर कोतवाली थाना क्षेत्र के रामपुर बुजुर्ग गांव निवासी अजय प्रताप सिंह, संदीप सिंह व उनका बेटा मंजर तीन–चार अन्य बदमाशों को लेकर ईंट उद्योग पर आए और उन्हें मारापीटा। पूर्व विधायक के बेटे ने मंसूर की पत्नी शाहजहां खातून को बंदूक के दम पर रजिस्ट्री ऑफिस ले जाकर उद्योग वाली जमीन अपने नाम लिखवा ली। मामले को गंभीरता से लेते हुए एमपी–एमएलए कोर्ट–सिविल जज सीनियर डिवीजन ने शनिवार को पूर्व विधायक, उनके बेटे समेत चार लोगों पर केस दर्ज करने का निर्देश दिया। कोतवाली पुलिस ने सोमवार की देर रात पूर्व विधायक गजाला लारी, उनके बेटे मंजर लारी समेत कोतवाली थाना क्षेत्र के रामपुर बुजुर्ग गांव निवासी अजय प्रताप सिंह, संदीप सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाल जितेंद्र सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर पूर्व विधायक गजाला लारी उनके बेटे मंजर लारी समेत अजय प्रताप सिंह व संदीप सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न, विजयी प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

कुशीनगर। नेहरू युवा केंद्र कुशीनगर द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में चल रहे दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता स्थान जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम रविंद्र नगर मे मंगलवार को समाप्त हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिथि डॉक्टर सीवी सिंह पूर्व प्रोफेसर भूगोल सचिन कुमार जिला युवा अधिकारी नेहरु युवा केंद्र कुशीनगर तथा रवि निषाद क्रीडा अधिकारी कुशीनगर तथा अवधेश गिरि आदि द्वारा स्वामी विवेकानंद एवं हनुमान के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में वॉलीबॉल, कबड्डी तथा 100 मीटर दौड़ की प्रतियोगिताएं कराई गई। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में कुशीनगर के विकास खंडों से 7 टीमों ने वॉलीबॉल में तथा कबड्डी मे 8 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता मे नरसिंह सिंह शर्मा, अनिल मिश्रा बेसिक जिला व्यायाम शिक्षक, पवन कुमार एवं पंकज कुमार आदि रेफरी की उपस्थिति मे प्रतियोगिता कराई गई। कप्तानगंज ब्लॉक की वॉलीबॉल टीम ने विशुनपुरा वॉलीबॉल टीम को हराकर विजय प्राप्त की। वहीं दूसरी ओर चल रहे कबड्डी मुकाबले में सुकरौली विकास खंड की टीम ने पडरौना विकास खंड को हराकर विजय प्राप्त की।

इसके पश्चात 100 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) में कप्तानगंज की अलीसिया साहनी ने प्रथम स्थान, दूसरा स्थान खुशी साहनी तृतीय स्थान विकास खंड दुदही की गुंजन ने प्राप्त किया। वही दूसरे दिन शेष 2 विधाओं की प्रतियोगिता लम्बी कूद एवं 200मीटर दौड़ (बालक वर्ग) मे भी कुशीनगर के समस्त विकास खंडो से आये प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा को दिखाया और लम्बी कूद मे विकास खंड कप्तानगंज के रणजीत शर्मा ने 5.11 मीटर छलांग लगा कर प्रथम तथा दूसरे स्थान पर तमकुहीराज के अंशु कुशवाहा ने (5.06 मीटर) तथा अमन कुशवाहा ने 4.65 मीटर की छलांग लगा कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही 200 मीटर दौड़ मे प्रथम स्थान मिथलेश गौड़, दूसरा स्थान दानिश मिश्रा तथा तृतीय स्थान गाँगुली कुमार भारती ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंत मे सभी विजेताओं को सचिन कुमार जिला युवा अधिकारी एवं रवि निषाद क्रीड़ा अधिकारी तथा डॉ. सी बी सिंह अनिल मिश्रा एवं पवन कुमार आदि द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार के रूप मे शील्ड, मेडल तथा स्पोर्ट्स किट देकर सम्मानित किया गया। अंत में सचिन कुमार जिला युवा अधिकारी ने समस्त अतिथि एवं मंच संचालक अवधेश गिरि तथा समस्त रेफरी को सॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में सहयोग कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक के अनिल कुमार भारती, अजय कुमार गुप्ता, धनंजय चौरसिया, भुवनेश्वर, ममता यादव, प्रतीक श्रीवास्तव विकास कुशवाहा आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

उद्योग बन्धूओ की बैठक में व्यापारियों से जनपद में इन्वेस्टमेंट के लिए मांगा गया प्रस्ताव

कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी की अध्यक्षता में उद्योग बंधु, श्रम बंधु व व्यापार बंधुओं की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में नए प्रोजेक्ट स्थापित करने हेतु उद्यमियों को आह्वान करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति इच्छुक है तो उसे जिला प्रशासन की ओर से हर सम्भव मदद की जाएगी। इसी क्रम में अजय गुप्ता द्वारा 10 करोड़ के बजट का प्रोजेक्ट हीरो एजेंसी के बगल में लगाये जाने की बात कही गई। जिसमे लोन स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया। जिसे मुख्य विकास अधिकारी ने उपयुक्त उद्योग को साथ बैठ कर प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिए। अन्य उद्यमियो द्वारा इस अवसर पर अपनी समस्याएं रखी गयी। जिसे उन्होंने समस्याओं से अवगत होते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देश दिया। बैठक में ऐसे उद्यमी जिनके ऋण बैंक से स्वीकृत नहीं हो पाए हैं। उसके सम्बन्ध में जानकारी ली गई तथा निर्देश दिया कि उपायुक्त उद्योग सभी लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु शीघ्र प्रभावी कार्यवाही करें। उद्योग बंधु की बैठक में एक जनपद एक उत्पाद योजना की प्रगति भी जानी गयी तथा मुख्य विकास अधिकारी ने उद्यमियों को प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि ओ डी ओ पी के तहत ऋण में सरकार द्वारा सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने बैठक में आए कुछ इन्वेस्टर्स से भी बातचीत की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि जनपद कुशीनगर में उद्योग की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को ऐसे लोगों की सूची तैयार करने को कहा जो जनपद में इन्वेस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रहे कि स्थानीय उत्पाद को भी प्रोत्साहित किया जाए। जिला श्रम बंधु की बैठक में श्रम आयुक्त विजय यादव द्वारा क्षेत्र में औद्योगिक शांति की स्थिति बताई गई तथा सरकार द्वारा श्रमिकों के कल्याणकारी योजनाओं के तहत चल रही योजनाओं की अधिकतम प्रगति के बारे में बताया गया। जनपद में चिन्हित बंधुआ श्रम की स्थिति तथा बाल श्रमिकों की स्थिति के बारे में भी बताया गया तथा श्रमिक पंजीकरण के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। राज्य कर विभाग कुशीनगर के संदर्भ में व्यापार बंधुओं की बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को सुना गया तथा उसके उचित निस्तारण हेतु आश्वस्त किया गया। इसी क्रम में व्यापारियों के साथ बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को विभिन्न कार्यों हेतु प्रशिक्षित किया गया है। यदि किसी उद्यमी को वर्कर की आवश्यकता हो तो जिला विकास अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

हिंदी दिवस पर हुई काव्य गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।हिंदी दिवस के अवसर पर पिछले दिनों एक स्थानीय होटल में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय कवियों और शायरों में हिंदी दिवस के अवसर पर अपनी अपनी रचनाओं से उपस्थित जन समूह में उत्साह भर दिया। काव्य गोष्ठी के प्रारंभ से पूर्व एडवोकेट शादाब शब्बीरी, मुनिस फैजी और अमन श्रीवास्तव ने हिंदी के उत्थान पर विस्तार से चर्चा की।इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉक्टर नौशाद आजमी ने कहा, जलील ओ ख्वार हैं मगरूर हो गए हम सब, खुदा ए पाक से जो दूर हो गए हम सब।संघ शील झलक – जबां पे हिंदी ही आएगी, ऊपर वाले के वंदन में, भद्रजनों के अभिनंदन में। शिव सागर सहर– लिखे जो लेख और कविता उन्हें आभार हिंदी में, जमीं से आसमां तक जो करे विस्तार हिंदी में।नेयाज कपिलवस्तुवी–महफिल सजाई आपने आना पड़ा मुझे, रस्ते की मुश्किलों को भुलाना पड़ा मुझे। पंकज सिद्धार्थ–हमको गर्व है इस भाषा पर हमको लगती प्यारी है, हिंदी है हृदय की धड़कन हिंदी जान हमारी है। सलमान आमिर– हिंदी दिवस है आज तो हिंदी की बात हो ,जब भी पढ़ें और लिखें हम हिंदी अपने साथ हो।मुनिस फैजी–वह अदब के मतवाले पुरस्कार होते हैं,हिंदी और उर्दू के जो पासदार होते हैं। डॉक्टर जावेद कमाल– हों सागर शादाब या मोनिस राहुल पंकज अमन यहां, सबको अपने गले लगाने आया हूं मैं आज यहां। एडवोकेट शादाब शब्बीरी –शम्स ओ कमर सुरय्या पर कहकशां पे हैं, हम हैं जमीं पर आप बताएं कहां पे हैं। अमन श्रीवास्तव– एक परछाई मुझे एक रात दिखी, बापू की छड़ी पटेल की शान लपेटे हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल श्रीवास्तव ने और संचालन डॉक्टर जावेद कमाल ने किया। कार्यक्रम का संयोजन अमन श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिकों के साथ मीडिया जगत के सद्दाम हुसैन,परवेज अहमद और मोहम्मद नईम आदि भी उपस्थित रहे और देर तक कवियों और शायरों की रचनाओं का आनंद लेते रहे। अंत में अध्यक्षता कर रहे राहुल श्रीवास्तव ने सभी को धन्यवाद दिया।

विदेश भेजने के नाम पर एजेंट ने लिए रुपये

परसामालिक,नौतनवा। पीडित व्यक्ति को एजेंट नही भेज सका विदेश रुपये वापस मागने पर एजेंट कर रहा हीलाहवाली ।परसामालिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेहरा टोला महुलानी निवासी इन्ताफ अली पुत्र मुश्ताक अली ने बुधवार को जनसुनवाई पोर्टल और उपरोक्त थाने पर एक लिखित शिकायती पत्र सौप एजेंट से रुपये वापस दिलाने की मांग किया है। अपने शिकायती पत्र मे पीडित इन्ताफ ने लिखा है कि थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत विषखोप निवासी एजेंट ने विदेश भेजने के नाम पर बीते 8 माह पूर्व हम प्राथी से 60000६ हजार रुपये लिया था। परन्तु ऐजेंट द्वारा ना ही हम प्राथी को विदेश भेजा गया और नाही हम प्राथी का रुपया ऐजेंट के द्वारा वापस किया जा रहा है। जब भी ऐजेंट से हम रुपया वापस मागते है। तो वह हीलाहवाली कर टालमटोल कर रहा। जबकि बीते 7६12६2022 को गांव के सम्भ्रान्त लोगों के बीच ऐजेंट द्वारा एक सुलहनामा भी बना है। जिसमे ऐजेंट द्वारा रुपया 10६1६2023 तक वापस करने की सहमती भी बनाया उसके बावजूद भी हम प्राथी द्वारा ऐजेंट से रुपये मागने पर ऐजेंट द्वारा हमे मारने पीटने की धमकी दिया जा रहा है। इस सन्दर्भ मे थानाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार ने बताया की मामला संज्ञान मे है। जांचकर कानूनी कार्यवाही किया जायेगा।

किसानों को मिली राहत ,बीडीओ ने छुट्टा पशुओं को गौशाला में कराया बंद'

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। छुट्टा पशुओं से परेशान किसान को राहत मिल गई बुधवार को बीडीओ ने छुट्टा पशुओं को ग्राम पंचायत तिघरा गांव से महरिया गौशाला में शिफ्ट कराया गया है । छुट्टा पशुओं से किसान काफी परेशान थे किसानों को इस कड़ाके ठंड में रखवाली करनी पड़ती थी छुट्टा पशुओं से परेशान किसान बीडीओ उसका से शिकायत की जिसके बाद बीडीओ ने छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गौशाला में शिफ्ट कराया गया है।बीडीओ नीरज जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि छुट्टा पशुओं की शिकायत मिली थी जिसको तत्काल छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर महरिया गौशाला में कराया गया और छुट्टा पशुओं के खाने का भी इंतजाम किया गया है।

तीसरे दिन भी जारी रहा प्रधानों का अनिश्चितकालीन धरना

पंकज चौबे/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ब्लाक परिसर बढ़नी में ग्राम प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष बब्लू चौबे के नेतृत्व में समस्त ग्राम प्रधान तीसरे दिन भी धरने पर बैठे रहे।

सोमवार को ग्राम प्रधानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया था। बुधवार को ब्लाक अध्यक्ष ने कहा हम ग्राम प्रधान सभी कार्यों का पूर्ण रूप से बहिष्कार करेंगे। जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती है तब तक धरना अनिश्चितकालीन के लिए चलता रहेगा। धरने में प्रधान संघ मंडल महामंत्री अनुज कुमार चौधरी,रविन्द्र शर्मा,विजय प्रकाश पाण्डेय, विजय पाठक,अश्वनी चौबे, आशुतोष पाण्डेय, दिनेश यादव, गुलाम हैदर, बब्लू यादव,लाल सिंह चौधरी, लालू यादव, विक्की सिंह, अशोक अग्रहरि,शिवा तिवारी, रामजी यादव, विरेन्द्र जायसवाल, शिवकुमार साहनी, राधेश्याम यादव, राजेश चौरसिया,चुल्हाई, अब्दुल करीम,अमर सिंह,मालती, अब्दुल सलाम,अजय यादव,रामलौटन,पिताम्बर,अनील पाण्डेय, इम्तियाज अहमद आदि प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अट्टाहास महोत्सव से हुआ 21 विभूतियो का सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

वाराणसी ।, अस्सी–लंका रोड स्थित होटल किंग्स बनारस में उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद, सामाजिक संस्था रसवर्षा संस्थान, नव निर्माण सेवा ट्रस्ट व दिशा सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में अट्टाहास महोत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव विशिष्ठ अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल श्रीवास्तव , वरिष्ठ सपा नेत्री शालिनी यादव रही।

अध्ययक्षता रसवर्षा संस्थान के अध्यक्ष अंतराष्ट्रीय हास्य कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी ने किया। अतिथियों का स्वागत नव निर्माण सेवा ट्रस्ट की अध्यक्षा नूतन सिंह व दिशा सोसायटी के सचिव अजीत पांडये बाबुल ने अंगवस्त्रम, बुके, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के

चित्र पर पुष्प माला व दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में कु.काव्या व वैष्णवी ने गणेश वंदना व सरस्वती वंदना से किया। इसके बाद प्रसिद्व भजन कलाकार स्नेहा अवस्थी, सर्वेश यादव व चंद्रमोहन मस्ताना ने अपने मधुर गीतों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की अगली कड़ी में संमाज में अपने–अपने क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले 21 विभूतियों को यू.पी.गौरव अलंकरण से सम्मानित किया गया। साथ ही 21 संस्थाओं द्वारा नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर रो.दीपक अस्थाना व समाजसेविका अंजली अग्रवाल का नागरिक अभिनंदन किया गया। यू.पी. गौरव से सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से पंडित जय प्रकाश मिश्र,नवीन कपूर, पद्मकान्त पाठक,डॉ रत्नेश वर्मा, विजय प्रकाश मिश्र, धीरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ दिनमणि पांडये, दिनेश चंद्र, मनोज श्रीवास्तव, केशव सोनकर, रंजीत सिंह राजपाल,जाहिद नासिर,मोहन कुमार अग्रवाल,रो. आलोक अरोड़ा, डॉ सुधीर मिश्रा,संजय अग्रवाल, मनोज मिश्र, गौरव केशरी प्रमुख रूप से थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश मिश्रा तथा अंत मे धन्यवाद ज्ञापन काली शंकर उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर मीना मिश्रा,प्रकाश कुमार श्रीवास्तव, नीरज गुप्ता, रमेश चंद्र पांडये, आशीष मोदनवाल,सुभाष चंद्र, कैलाश सिंह विकास ,प्रकाश आचार्य,प्रवीण श्रीवास्तव, संजय कुमार, मनोज कुमार पाठक अखिलेश चंद्र पाठक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

छात्रों की प्रतिभा निखार के लिए दो दिवसीय विद्यार्थी संगीती का आयोजन

अंत्याक्षरी,भाषण,नाटक, के जरिए छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।म्योरपुर स्थानीय ब्लॉक क्षेत्र के वनवासी सेवा आश्रम के विचित्रा महाकक्ष में बुधवार को माता पुष्पावती देवी और स्वर्गीय जज प्रेम सिंह की स्मृति में दो दिवसीय विद्यार्थी संगीति का आयोजन दीप प्रज्ज्वलित कर आश्रम के अध्यक्ष साहित्यकार अजय शेखर के कर कमलों के माध्यम से किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री शेखर ने कहा कि कोरोना के वजह से हम लोग नहीं मिल पाए थे लेकिन आज दो साल के बाद पुन मिले है साथ ही कहा की जीवन में कभी आलस्य और अपने से बड़े लोगो की अवज्ञा नही करना चाहिए ।जीवन संघर्ष से भरा है ।उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि अच्छी किताबो का अध्ययन करे जिससे व्यक्तित्व का विकास हो और जो गीत संगीत है वह समाज को दिशा देने वाला हो। श्री शेखर ने एक दोहे से

अंत्याक्षरी प्रतियोगिता कार्यक्रम का शुरुआत किया। इस कार्यक्रम में प्राइमरी, जूनियर हाईस्कूल और हाई स्कूल के बच्चो ने प्रतिभाग किया ।इस आयोजन में क्रमशः ग्राम पंचायत और सामान्य ज्ञान विषय पर क्विज प्रतियोगिता,समूह गीत प्रतियोगिता, एकांकी प्रतियोगिता,सुलेख प्रतियोगिता और कनिष्ठ और वरिष्ट वर्ग के बच्चो का अंत्याक्षरी प्रतियोगिता, नाटक, कार्यक्रम होना है ।कार्यक्रम ने निर्णायक की भूमिका में जयंत कुमार,सुभाष चंद्रा और के आर गुप्ता रहे। कार्यक्रम का संचालन देवनाथ सिंह ने किया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शुभा प्रेम,विमल सिंह, दिवाकर,सर्वजीत सिंह,ओंकार नाथ पांडेय,इंदुबाला,नेहा सिंह,प्रमोद शर्मा, दिलीप सिंह,सहित,विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक,शिक्षक,शिक्षिकाए आश्रम कार्यकर्ता और सैकड़ों की संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

20 जनवरी को होगा जिला स्तरीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का आयोजन

एच.पी.शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

■ संबंधित विभागों के द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित संचालित नीतियों एवं सुविधाओं के संबंध में प्रस्तुत किया जाएगा प्रेजेंटेशन।

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप प्रदेश स्तर की भांति जनपद स्तर पर भी जिला स्तरीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र गौतम बुद्ध नगर के उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 20 जनवरी 2023 को इंदिरा गांधी कला केंद्र के ऑडिटोरियम सेक्टर 6 नोएडा में दोपहर 2रू00 से जिला स्तरीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले समिट में जनपद के सभी प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जनपद के विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी गण तथा जनपद के निवेशकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा एवं संबंधित विभागों के द्वारा अपने–अपने विभागों से संबंधित निवेशकोध्उद्यमियों के लिए संचालित नीतियों तथा दिए जा रहे प्रोत्साहनध्सुविधाओं के संबंध में प्रेजेंटेशन भी आयोजित होने वाले जिला स्तरीय इन्वेस्टर समिट–2023 में प्रस्तुत किए जाएंगे, ताकि निवेशकोंध्उद्यमियों को प्रदेश सरकार द्वारा उनके हित में चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके एवं वह उनका भरपूर लाभ उठा सकें।

बॉक्सर अजय कुमार ने अंतरराष्ट्रीय इंडो–नेपाल चौंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

अजय कुमार के घर पर बधाई देने वालों का लगा तांता

एच.पी.शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्ध नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश उन्नति के पथ पर अग्रसर और इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अजय कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेले गए इंडो–नेपाल चौंपियनशिप में भारत को बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीताकर भारत के साथ–साथ उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है, जो कि आज अपनी पहचान का मोहताज नहीं है। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव सादपुर, जानसठ, जनपद मुजफ्फरनगर के निवासी अजय कुमार ने भारत का परचम लहराया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल में खेले गए इंडो–नेपाल चौंपियनशिप में भारत को बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीताकर अपने माता पिता शकुंतला देवी एवं ओंकार सिंह तथा ग्रामवासियों का सपना साकार किया है। अजय कुमार ने अभी हाल ही में पिछले वर्ष के अंतिम माह दिसंबर में राष्ट्रीय स्तर पर खेले गए हरियाणा राज्य के रोहतक में

सिल्वर पदक जीता था और उसके पश्चात इंडो–नेपाल चौंपियनशिप में उनका नाम चयनित होने पर नेपाल के रहने वाले निश्चल गुरुनि को 67 किलोग्राम भार में हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। अजय कुमार कोच नसीम अहमद, महरौली नई दिल्ली से निरंतर प्रशिक्षण एवं बॉक्सिंग से संबंधित गुर प्राप्त कर रहे थे। अजय कुमार बॉक्सिंग के साथ–साथ स्नातक की भी पढ़ाई कर रहे हैं। अजय कुमार के बड़े भाई कविंद्र कुमार, सूचना निदेशालय लखनऊ ने बताया कि ष्अजय कुमार अभ्यास के साथ–साथ फिटनेस एवं डाइटिंग का भी पूरा ख्याल रखे हुए थे और उनको घर वालों का भी पूरा पूरा सहयोग प्राप्त था। अजय कुमार के घर पर इस समय बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बॉक्सर अजय कुमार ने बताया कि मैं अपने लिए सत्र की इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकता था उन्होंने कहा यह मेरे लिए पहला अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडल है। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन करके अच्छा लग रहा है। इस जीत का श्रेय मेरे माता–पिता जिन्होंने निरंतर मेरा हौसला बढ़ाया तथा मेरे कोच हो जाता है।

18वी राष्ट्रीय जम्बूरी भारत स्काउट और गाइड में उ० प्र० बना विजेता

एच.पी.शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्ध नगर। दिनांक 4 जनवरी 2023 से 10 जनवरी 2023 तक रोहट, पाली,राजस्थान में 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन हुआ। इस जम्बूरी में भारत सहित कई देशों के लगभग 37 हजार स्काउट और गाइड ने प्रतिभाग किया। जम्बूरी का उद्धघाटन 04 जनवरी को महामहिम राष्टपति द्रोपदी मुर्मू जी के करकमलों द्वारा किया गया। इस जम्बूरी में जनपद गौतम बुद्ध नगर से भारत स्काउट एवं गाइड की 15 सदस्यों की टीम ने श्री जयप्रकाश स्काउट मास्टर, बिहारी लाल इण्टर कॉलेज दनकौर व श्रीमती भारती श्रीवास्तव जिला बेसिक गाइड कैप्टन गौतमबुद्धनगर के नेतृत्व में, जिला स्काउट मास्टर श्रीमती ज्योतिर्मयी पाण्डेय, ब्लॉक गाइड कैप्टन श्रीमती आरती कुलश्रेष्ठ , ब्लॉक स्काउट मास्टर श्रीमती रश्मि त्रिपाठी , ट्रेनिंग काउन्सलर श्री विकास कुमार और श्री कादिर खान के साथ बिहारी लाल इण्टर कॉलेज के 4 स्काउट और 1 गाइड एवं लाला लाजपत राय कन्या इन्टर कॉलेज ,दनकौर की 04 गाइड के साथ प्रतिभाग किया। जंबूरी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बच्चों ने द्वार निर्माण में गाइड्स व टावर निर्माण में स्काउट्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया इसके अतिरिक्त एडवेंचर स्पोर्ट्स, पीजेंट शो, कैम्प–फायर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूड प्लाजा, प्रदेश की प्रदर्शनी आदि प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग कर राज्य के लिए अंक जुटाए जिला गाइड कमिश्नर डॉ. मिथिलेश गौतम ,जिला संगठन कमिश्नर स्काउट श्री शिवकुमार,जिला संगठन कमिश्नर गाइड श्रीमती शैफाली गौतम ने जंबूरी स्थल रोहट,पाली राजस्थान पहुंचकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया और राष्ट्रीय स्तर पर विजेता टीम के सदस्य बने।

11 फरवरी को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन:जिला जज

एच.पी.शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिला जजध्सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के कुशल नेतृत्व में 11 फरवरी, 2023 को जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय एवं तहसील न्यायालयों में होने जा रहा है। इस सम्बन्ध में अपर जिला जजध्सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार वत्स ने जानकारी देते हुये बताया कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामलें, बिजली व पानी से सम्बन्धित मामलें, धारा 138 एन0आई0एक्ट के वाद, भू–राजस्व वाद, सेवा संबंधित मामले एवं प्री–लिटीगेशन मामलों के साथ–साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिसमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन संधि के लिए इच्छुक हो, वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोजित लोक अदालत को जनपद में सफल बनाने के लिये सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा अपनी विभागीय तैयारियॉ पूर्ण करने की कार्यवाही समय रहते कर ली जाये, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर अधिक से अधिक वादों का निस्तारण संभव हो सकें।

व्यापार मंडल उसका का बैठक 14 को'

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। व्यापार मंडल उसका बाजार का बैठक पयोहारी आश्रम उसका राजा में 14 जनवरी को होना है इसकी जानकारी व्यापारी धनेश वर्मा ने दी है।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

ब्लॉक प्रमुख ने पतेरी टोला में गरीबो एवं असहायों को बांटा कंबल

कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदों को मिली राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र ।म्योरपुर स्थानीय ब्लॉक क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य कस्बा पतेरी टोला में बुधवार को ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड

ने कड़ाके की ठंड से बचने के लिए जरूरत मंदो के बीच 150 कंबल का वितरण किया ।इस दौरान उन्होंने ने कहा कि समाज में मानव सेवा समर्पित जीवन जीने से खुद को आत्म संतुष्टि मिलती है ।आप लाखो कमाकर एक दिन खाली हाथ चले जायेंगे ।शेष आप के कर्म ही रह जाते है ।वही अमर होते है जो देश समाज के लिए सामर्थ्य के अनुसार सेवा और दूसरे के भलाई करते है ।उन्होंने आश्वासन दिया की ठंड से बचने के लिए प्रयास किया जाएगा ।मौके पर समाज सेवी सुधीर कुमार ,रामरतन, रामनरेश,काशी राम,गणेश,दिलवरन,अमित सिंह,सुभाष आदि लोग मैजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान अपराधी शिवम यादव की मृत्यु की होगी मजिस्ट्रीयल जांच

एच.पी.शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

■ घटना के संबंध में कोई भी व्यक्ति आगामी 20 जनवरी तक अपना मौखिकधलिखित साक्ष्य / बयान कर सकता है प्रस्तुत।

गौतम बुद्ध नगर। जिला मजिस्ट्रेट सुहास एल वाई के निर्देशों के क्रम में उप जिला मजिस्ट्रेट सदर अंकित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 3 अक्टूबर 2022 को थाना बीटा–2 ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर क्षेत्र के अंतर्गत हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान थाना ईकोटेक प्रथम ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर में वांछित अपराधी शिवम यादव पुत्र राम औतार यादव निवासी ग्राम असफपुर थाना फजगंज बुहटा, बदायूं बिसौली उत्तर प्रदेश की पुलिस कार्रवाई के दौरान मृत्यु हो गई, जिसकी मजिस्ट्रीयल जांच के लिए जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा अधोहस्ताक्षरी को नामित किया गया है। उन्होंने सर्व साधारण का आहवान किया है कि यदि उक्त घटना के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई जानकारी हो अथवा कोई व्यक्ति अपना मौखिकध लिखित साक्ष्यध बयान देना चाहता है तो वह दिनांक 20 जनवरी 2023 तक अधोहस्ताक्षरी के कलेक्ट्रेट स्थित न्यायालय कक्ष संख्या 119 में उपस्थित होकर किसी भी कार्य दिवस में प्रस्तुत कर सकते हैं।

सांवली लड़कियां इस्तेमाल करें इन रंगों की लिपस्टिक, मिलेगा आकर्षक लुक

एक समय था जब लोग सुंदरता को रंग से जोड़ते थे और सांवलेपन को लेकर महिलाएं चिंता में रहती थी। सांवली त्वचा वाली महिलाओं की सबसे बड़ी परेशानी होती थी कि उनकी स्किन टोन पर किस तरह का मेकअप किया जाए ताकि आकर्षक लुक मिल सकें। लेकिन आज की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि सिर्फ गोरा रंग होना ही काफी नहीं होता। सांवली रंगत पर भी सब कुछ खिलता है। आज हम बात करने जा रहे हैं सांवली त्वचा वाली महिलाओं के लिए लिपस्टिक शेड्स की जो आपको परफेक्ट लुक दिलाने में मदद करती हैं। चाहे बॉलीवुड की दीवाएं हों या फिर टॉप मॉडल्स, डस्की स्किन में वे ये लिपस्टिक शेड्स आजमाकर गॉर्जियस लुक पाती हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में...

चॉकलेट ब्राउनः यह कॉपर ब्राउन से काफी अलग होता है। चॉकलेट ब्राउन बहुत गहरा कलर है। डार्क स्किन टोन पर यह नैचुरल नजर आता है। यदि आप सिंपल लुक में रहना चाहती हैं, तो अपने होंठों पर चॉकलेट ब्राउन शेड ट्राई करें। यह फैशनेबल और बहुत अलग दिखता है।

बेज कलरः बेज कलर किसी भी स्किन टोन और किसी भी कलर की ड्रेस के साथ मैच करता है बेज कलर गोरी रंग की लड़कियों के साथ ही सांवली रंग की लड़कियों पर भी खूब खिलता है। इसे आप किसी भी केजुअल वियर या ऑफिस वियर के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। यह सांवली स्किन टोन की महिलाओं के लिए सबसे अच्छा लिपस्टिक शेड है।

मजेंटाः डार्क स्किन के लिए इस शेड्स की लिपस्टिक बेहद पॉपुलर है। यह शेड एशियन डार्क, अफ्रीकन डार्क और अफ्रीकन– एशियन डार्क स्किन टोन के लिए परफेक्ट है। सांवली त्वचा पर मजेंटा शेड काफी खूबसूरत नजर आता है, जो आपकी सुंदरता में चार–चांद लगा देता है।

कॉपर ब्राउनः कॉपर ब्राउन सांवली स्किन टोन वाली महिलाओं पर अत्यधिक आकर्षक लगता है। कॉपर ब्राउन कलर के विभिन्न रंग स्वाभाविक रूप से डस्की स्किन को परफेक्ट लुक देने में मदद करते हैं। यह शेड हर तरह की ड्रेस और इवेंट के साथ काम करता है। इस लिपस्टिक शेड को आप एथनिक और वेस्टर्न किसी भी ड्रेस के साथ ट्राई कर सकती हैं।

रेडः यह कलर हर किसी का फेवरेट है। सांवली त्वचा की महिलाओं पर यह शेड काफी हॉट और सुंदर लगता है। रेड लिप लाइनर से अपने लिप्स को लाइन करें और फिर रेड शेड की लिपस्टिक लगाएं। ऊपर से लाइट ग्लिटर लगाएं। इससे न सिर्फ आपका लुक संवरता है बल्कि आप काफी अलग नजर आ सकती हैं।

पर्पल कलरः पर्पल कलर भले ही थोड़ा डार्क क्यों न लगे लेकिन ये कलर गोरी त्वचा से ज्यादा डस्की यानी सांवली त्वचा पर खिलता है। इस स्किन टोन की महिलाएं अपनी किसी भी ड्रेस के साथ इस लिपस्टिक को ट्राई करके परफेक्ट दिख सकती हैं।

रोज पिंकः रोज के चमकीले शेड्स सांवली त्वचा पर खूबसूरत नजर आते हैं। डार्क स्किन के लिए कोरल पिंक या रोज पिंक शेड्स परफेक्ट हैं। मार्केट में रोज के अलग–अलग शेड्स उपलब्ध हैं। अपनी पसंद के अनुसार इन शेड्स का इस्तेमाल कर आप अपने लुक को संवार सकती हैं।

न्यूडः अगर आप सिंपल, सॉफ्ट और फॉर्मल लुक चाहती हैं तो न्यूड लिपस्टिक से बेहतर और क्या हो सकता है। अपने होठों को ब्रोंज से लाइन करें और सावधानी से न्यूड लिपस्टिक लगाएं। इस शेड में सांवली त्वचा की खूबसूरती निखरकर सामने आती है।

फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट नजर आएंगी अलाया एफ

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ

है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म में टाइगर की गर्लफ्रेंड का किरदार निभाने के लिए अभिनेत्री अलाया एफ को साइन किया है। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं और इसका निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख द्वारा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस लिहाज से यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल हो जाएगी। फिल्म में अक्षय और टाइगर के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं, जो खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। बता दें, अमिताभ बच्चन और गोविंदा की कॉमेडी एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां साल 1998 में रिलीज हुई थी। हालांकि, वाशु भगनानी की यह फिल्म रीमेक नहीं है।

फिल्म पठान का ट्रेलर रिलीज, धांसू अवतार में नजर आए शाहरुख

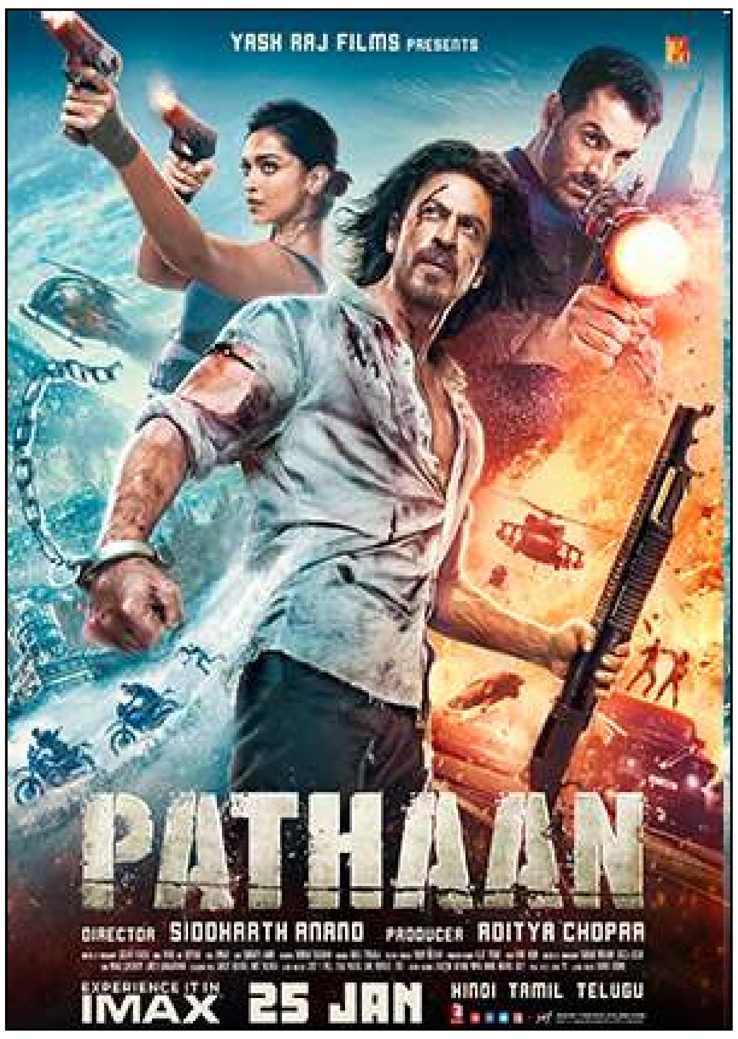

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की आगामी फिल्म पठान का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए शाहरुख चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया था, वहीं अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर से यह साफ हो गया है कि फिल्म में दर्शकों को जबरदस्त और असाधारण एक्शन सीन्स देखने को मिलेंगे।

फिल्म पठान का ट्रेलर देशभक्ति की भावनाओं, जबरदस्त डायलॉग्स और एक्शन से भरपूर है। इसमें शाहरुख को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाया गया है। फैंस चार साल बाद शाहरुख को देख काफी खुश हैं। ट्रेलर से साफ है कि फिल्म में सिर्फ शाहरुख ही नहीं बल्कि दीपिका और जॉन भी एक्शन सीन्स करते नजर आएंगे। बता दें, यह ट्रेलर सेंसर बोर्ड द्वारा की गई काट–छांट के बाद जारी किया गया है।

पहले वाईआरएफ कंपनी के मालिक आदित्य चोपड़ा ने अपनी प्रोडक्शन टीम को फिल्म पठान के दो ट्रेलर काटने के निर्देश दिए थे। एक ट्रेलर में शाहरुख, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम जैसे लीड किरदारों को रखने के लिए कहा था और दूसरे ट्रेलर में सलमान खान को दिखाया जाएगा। अब रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि फिल्म के किसी भी ट्रेलर में सलमान की झलक दिखाई नहीं देगी।

फिल्म में सलमान की एंट्री बहुत जबरदस्त दिखाई जाने वाली है। सूत्रों के अनुसार, सलमान हेलीकॉप्टर में उड़ान भरते हुए आएंगे और रूसी जेल तोड़कर भाग रहे शाहरुख की मदद करते हुए उन्हें रूसी सैनिकों से बचा कर ले जाएंगे।

दरअसल, सलमान और शाहरुख के फैंस, दोनों सुपरस्टार्स को एक–साथ देखने के लिए बेताब हैं। ऐसे में यशराज फिल्म्स ने मास्टरस्ट्रोक खेलते हुए पठान के किसी भी ट्रेलर में सलमान की झलक नहीं दिखाने का फैसला किया है। मेकर्स का मानना है कि सलमान के कैमियो को छिपाए रखने से दर्शकों की उत्सुकता बढ़ेगी और वह फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों की तरफ आकर्षित होंगे। बता दें, फिल्म में सलमान 20 मिनट के एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा होंगे।

शाहरुख पिछली बार 2018 की फिल्म जीरो में नजर आए थे। इसके अलावा इस साल उनकी दो अन्य फिल्में भी आएंगी। वह जून में एटली की जवान में दिखेंगे। इसके बाद दिसंबर में उनकी राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी आएगी।

पठान एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी पठान में शाहरुख, दीपिका और जॉन अहम भूमिका निभा रहे हैं। बता दें, विरोध के बाद सेंसर बोर्ड ने दीपिका के बिकनी वाले सीन में कांट–छांट और फिल्म के अन्य दृश्यों में बदलाव कराने के बाद इसे यूए सर्टिफिकेट थमा दिया है। इस फिल्म की खास बात यह है कि इसे दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा में शूट किया गया है।

रितेश देशमुख की वेड का जलवा कायम, तोड़ा ये रिकॉर्ड

30 दिसंबर, 2022 को रिलीज हुई रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की मराठी फिल्म वेड बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन

कर रही है। फिल्म ने अपनी रिलीज के 11वें दिन भी 2.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वेड का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 35.77 करोड़ रुपये हो गया है। इसके साथ ही रितेश ने अपनी ही फिल्म लय भारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 35 करोड़ रुपये रहा था। इस फिल्म के जरिए रितेश–जेनेलिया की जोड़ी स्क्रीन साझा करते नजर आ रही है। रोमांटिक एक्शन फिल्म वेड में रितेश और जेनेलिया के अलावा जिया शंकर, रविराज कांडे, अशोक सराफ और शुभंकर तावड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। यह मराठी फिल्म साउथ सुपरस्टार नागा चौतन्य और समांथा रुथ प्रभु की सुपरहिट फिल्म माजिली का रीमेक है। रितेश की वेड में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक गाने में कैमियो करते नजर आए हैं।

इन 5 हेल्दी चिप्स को घर पर बनाना है आसान, जानें रेसिपी

चिप्स दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले स्नैक्स में शामिल हैं, लेकिन इन्हें अनहेल्दी माना जाता है क्योंकि ज्यादातर पैक किए गए चिप्स अतिरिक्त चीनी, रंग और रिफाइंड तेलों से भरे होते हैं। हालांकि, स्वस्थ सामग्री का उपयोग करके घर पर आसानी से हेल्दी चिप्स बनाए जा सकते हैं। आइए आज आपको पांच हेल्दी चिप्स की रेसिपी बताते हैं, जो आसानी से घर पर बनाए जा सकते हैं।

बैंगन के चिप्सः बैंगन के चिप्स बनाना बेहद आसान होता है। जब भी आपको कुछ नमकीन और कुरकुरे खाने का मन हो तो इन चिप्स का सेवन बेझिझक किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले बैंगन को पतले स्लाइस में काटें और बेकिंग ट्रे पर फैला दें। इन स्लाइस पर थोड़ा सा जैतून का तेल भी लगाएं। अब ऊपर से नमक, काली मिर्च और लाल मिर्च पाउडर छिड़कें और इन्हें कुछ मिनट के लिए क्रिस्पी और गोल्डन ब्राउन होने तक बेक करें।

पालक और केल के चिप्सः पालक और केल के चिप्स विटामिन ए और सी से भरपूर होते हैं, इसलिए ये चिप्स मधुमेह रोगियों के लिए भी अच्छे होते हैं। सबसे पहले पालक और केल के पत्तों को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें और फिर इन्हें धोकर सूखने दें। इसके बाद पत्तियों में जैतून का तेल और सिरका मिलाएं। अब बेकिंग शीट पर पत्तियों को अच्छे से रखकर 35 मिनट तक बेक करें। अंत में इनके ऊपर नमक छिड़ककर सर्व करें।

शकरकंद के चिप्सः शकरकंद के हल्के, पौष्टिक और स्वस्थ चिप्स कम वसा और कम कैलोरी वाले होते हैं और इनका सेवन नाश्ते में भी किया जा सकता है। सबसे पहले शकरकंद को पतला काटें और फिर इसमें नमक, काली मिर्च, जैतून का तेल, पेपरिका पाउडर, पिसी हुई थाइम और ओरेगेनो छिड़ककर अच्छी तरह मिलाएं। अब पहले से गरम किए हुए एयर फ्रायर में इसे 10 से 15 मिनट तक फ्राई करें। अंत में गार्लिक डिप के साथ इन चिप्स का सेवन करें।

मूंग दाल के चिप्सः मूंग दाल के चिप्स बनाने के लिए सबसे पहले मूंग दाल को दो घंटे के लिए पानी में भिगोकर अच्छी तरह से पीस लें। अब पिसी हुई दाल में सूजी, गेहूं का आटा, सूखा हरा धनिया, नमक, काली मिर्च और लाल मिर्च पाउडर डालें और अच्छे से मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। इसके बाद इस मिश्रण से नरम आटा गूंथें। अब इससे छोटी–छोटी लोइयां बनाकर बेल लें और फिर लंबे चिप्स के आकार में काटकर बेक करें।

रागी के चिप्सः प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम से भरपूर रागी चिप्स मधुमेह रोगियों के भी उपयुक्त हैं। सबसे पहले गेहूं का आटा, दही, रागी का आटा, अदरक–लहसुन का पेस्ट, नमक और लाल मिर्च पाउडर को एक साथ मिलाकर इसमें पानी डालते हुए मुलायम आटा गूंथ लें। अब आटे से छोटी–छोटी लोई बनाकर चपटा बेल लें और फिर चिप की तरह स्ट्रिप्स में काट लें। इसके बाद इन स्ट्रिप्स में जैतून का तेल छिड़कें और 12 से 15 मिनट तक बेक करें।